R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 174 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 03 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

दिल्ली में पीएम मोदी और सीएम भजनलाल की ढाई घंटे की मैराथन बैठक, राजस्थान की राजनीति में बढ़ी हलचल

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब ढाई घंटे तक चली इस लंबी बैठक ने राजस्थान की राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। हालांकि बैठक के बाद किसी बड़े राजनीतिक फैसले की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई, लेकिन इसकी अवधि और समय को देखते हुए राजनीतिक गलियारों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। यह पिछले तीन महीनों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रधानमंत्री मोदी की तीसरी मुलाकात है। ऐसे में माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच राजस्थान से जुड़े राजनीतिक, संगठनात्मक और विकासात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की नजर आगामी चुनावी चुनौतियों और संगठनात्मक मजबूती पर है, इसलिए इस बैठक को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बैठक में राजस्थान से संबंधित राज्यसभा चुनाव पर चर्चा हुई होगी। प्रदेश में जल्द ही राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने वाली है और उम्मीदवारों के नामों को लेकर पार्टी स्तर पर मंथन जारी है। ऐसे में संभावित उम्मीदवारों और राजनीतिक समीकरणों पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बीच विचार-विमर्श होने की संभावना जताई जा रही है।

इसके साथ ही राजस्थान में लंबे समय से मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल की चर्चाएं भी चल रही हैं। भाजपा के कई विधायक और नेता सरकार में प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की



मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों को और बल मिला है। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं।

बैठक में पंचायत और निकाय चुनावों को लेकर भी चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। राजस्थान में आगामी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों को देखते हुए भाजपा संगठन सक्रिय हो गया है। हाल ही में प्रदेश भाजपा को नया संगठन महामंत्री मिलने के बाद संगठनात्मक स्तर पर बदलावों की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं। ऐसे में चुनावी रणनीति और संगठन को मजबूत बनाने के मुद्दे भी बैठक के एजेंडे में शामिल रहे होंगे।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी को राजस्थान की प्रसिद्ध पिचवाई पेंटिंग भेंट की। यह पारंपरिक कला राजसमंद जिले के नाथद्वारा क्षेत्र की पहचान मानी जाती है और भगवान श्रीनाथजी तथा भगवान कृष्ण की लीलाओं को दर्शाती है। प्राकृतिक रंगों और बारीक चित्रकारी से तैयार की जाने वाली यह कला राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत-2047' विजन की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश तेजी से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और सहयोग से राजस्थान में आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और अन्य विकास क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है।

हालांकि बैठक के संबंध में कोई औपचारिक राजनीतिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इसकी लंबी अवधि ने कई संभावनाओं को जन्म दिया है। अब प्रदेश की निगाहें राज्यसभा उम्मीदवारों की घोषणा, संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक बदलावों पर टिकी हुई हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में राजस्थान की राजनीति में कुछ महत्वपूर्ण फैसले देखने को मिल सकते हैं, जिनका असर आगामी चुनावी रणनीति पर भी पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में 5 नए न्यायाधीशों ने ली शपथ, न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हुई



नई दिल्ली । भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के पांच नए न्यायाधीशों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन नियुक्तियों के साथ देश की सर्वोच्च अदालत में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 37 हो गई है। इसे न्यायपालिका में लंबित मामलों के तेजी से निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नवनियुक्त न्यायाधीशों में जस्टिस शील नागू, जस्टिस श्री चंद्रशेखर, जस्टिस संजीव सचदेवा, जस्टिस अरुण पल्ली तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वी. मोहना शामिल हैं। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि राष्ट्रपति की मंजूरी और मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद इन नियुक्तियों को अंतिम रूप दिया गया। ये नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट की चयन समिति (कॉलेजियम) की सिफारिश पर की गई हैं। जस्टिस शील नागू इससे पहले पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे, जबकि जस्टिस श्री चंद्रशेखर बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। जस्टिस संजीव सचदेवा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस अरुण पल्ली जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं। वहीं वी. मोहना सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में संवैधानिक, दीवानी और सेवा कानून से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामलों की पैरवी कर चुके हैं। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की चयन समिति ने 22 और 27 मई को हुई बैठकों में इन नामों की सिफारिश की थी, जिसे केंद्र सरकार ने मंजूरी प्रदान की। न्यायिक विशेषज्ञों का मानना है कि इन नियुक्तियों से सर्वोच्च न्यायालय की कार्यक्षमता बढ़ेगी और लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी।

पंजाब कांग्रेस में बड़ा बदलाव संभव, चुनाव से पहले नया प्रदेश अध्यक्ष बना सकती है पार्टी

चंडीगढ़ । पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद पर नए चेहरे की नियुक्ति को लेकर मंथन तेज हो गया है। माना जा रहा है कि पार्टी चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने और नए समीकरण साधने के लिए नेतृत्व परिवर्तन का फैसला ले सकती है।

जानकारी के अनुसार, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला और सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। यदि कांग्रेस हिंदू चेहरे पर दांव लगाने का निर्णय करती है तो विजय इंदर सिंगला की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। वर्तमान में पंजाब कांग्रेस की कमान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के हाथों में है।

इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में मंगलवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल तथा पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल भी



मौजूद रहे। बैठक में संगठनात्मक फेरबदल और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा इसलिए भी तेज है क्योंकि हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी पंजाब में नेतृत्व परिवर्तन करते हुए केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इसके बाद कांग्रेस भी संगठन में नए नेतृत्व को आगे लाने पर विचार कर रही है।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब के पांच प्रमुख नेताओं—चरणजीत सिंह चन्नी, प्रताप सिंह बाजवा, सुखजिंदर सिंह रंधावा, डॉ. अमर सिंह और राजा वडिंग—को दिल्ली बुलाकर बैठक की थी। माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी जल्द ही संगठनात्मक बदलावों पर अंतिम फैसला ले सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेतृत्व पंजाब में सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए ऐसा चेहरा सामने लाने पर विचार कर रहा है, जो पार्टी को आगामी चुनाव में मजबूत स्थिति में पहुंचा सके। चुनाव नजदीक आते ही प्रदेश की राजनीति में गतिविधियां तेज होती दिखाई दे रही हैं।

फाजिलनगर का नाम होगा पावागढ़, सीएम योगी ने की घोषणा

कुशीनगर/ यूपी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कुशीनगर दौरे के दौरान बड़ा ऐलान करते हुए ऐतिहासिक कस्बे फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की पावन निर्वाण स्थली से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसकी पहचान भी उसी गौरवशाली विरासत के अनुरूप होनी चाहिए।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब इस भूमि का संबंध भगवान महावीर से है, तो इसे फाजिलनगर नाम से नहीं जाना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र की प्राचीन पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके अनुसार, नाम परिवर्तन से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और जैन समुदाय की आस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान विपक्ष और पूर्ववर्ती सरकारों पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी, व्यापारियों के साथ लूटपाट होती थी और महिलाओं की सुरक्षा भी चुनौती बनी हुई थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अपराधियों और माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इसी संदर्भ में



उन्होंने कहा, "जो बोली से नहीं माना, वह गोली से मान गया।"

सीएम योगी ने दावा किया कि वर्ष 2017 से पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में मच्छरों और माफिया का आतंक था। इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों से बच्चों की मौत होती थी और माफिया गरीबों की जमीनों पर कब्जा करते थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और कानून व्यवस्था को मजबूत कर इन समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश में बेरोजगारी, गरीबी और विकास की कमी थी, जबकि आज उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कुशीनगर को 424 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बेहतर सड़क नेटवर्क और आधुनिक बुनियादी ढांचे के जरिए कुशीनगर को बौद्ध और जैन सर्किट के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

बिहार में मदरसों की जांच के आदेश पर BJP का समर्थन

-फर्जी संस्थानों पर कार्रवाई की मांग

पटना । बिहार सरकार ने राज्य के अनुदानित मदरसों की कार्यप्रणाली और उन्हें मिलने वाले सरकारी अनुदान की वास्तविक स्थिति की जांच कराने का निर्णय लिया है। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सहायता का उपयोग निर्धारित नियमों के अनुसार हो रहा है या नहीं तथा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है या नहीं। सरकार के इस फैसले पर भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने समर्थन जताया है। बिहार बीजेपी के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि मदरसों की जांच कराना एक सराहनीय कदम है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कई ऐसे मदरसे हैं जो केवल कागजों पर संचालित हो रहे हैं, जबकि उनका कोई वास्तविक स्वरूप या भवन मौजूद नहीं है। ऐसे संस्थान सरकारी धन प्राप्त कर रहे हैं, इसलिए उनकी जांच कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। दानिश इकबाल ने कहा कि केवल मदरसे ही नहीं, बल्कि कोई भी ऐसा संस्थान जो वास्तविक रूप से संचालित नहीं हो रहा और सरकारी अनुदान प्राप्त कर रहा है, उसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि फर्जी संस्थानों पर खर्च होने वाले धन का उपयोग



जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा और अन्य विकास कार्यों में किया जाए। शिक्षा विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि जांच के दौरान सरकारी सहायता, वेतन अनुदान, शिक्षण व्यवस्था, छात्रों की उपस्थिति, भवन, सुविधाएं और अन्य गतिविधियों का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रखंड में तीन सदस्यीय समिति गठित की जाएगी, जिसमें बीडीओ या सीओ, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी तथा किसी सरकारी उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक को शामिल किया जाएगा। समिति दस्तावेजों की जांच के साथ-साथ स्थलीय निरीक्षण भी करेगी और फोटो सहित साक्ष्य एकत्र करेगी। जांच पूरी होने के बाद समिति 10 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सरकार का कहना है कि इस प्रक्रिया से सार्वजनिक धन के पारदर्शी उपयोग और शिक्षा व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित किया जा सकेगा।

दवा खरीद व्यवस्था में पारदर्शिता के लिए सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा कदम

-40 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 40 से अधिक डॉक्टरों, अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले किए हैं। सरकार का कहना है कि यह कदम दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) में कार्यालय प्रमुख डॉ. विनोद कुमार रंगा सहित 10 डॉक्टरों का स्थानांतरण किया गया है। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए 19 पैरामेडिकल कर्मचारियों का भी तबादला किया गया है। इनमें औषधि वितरक, कनिष्ठ चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीशियन, प्रयोगशाला परिचारक और वाहन चालक जैसे कर्मचारी शामिल हैं।

इसके साथ ही प्रशासनिक कार्यों में दक्षता बढ़ाने के लिए अनुभाग अधिकारी, वरिष्ठ सहायक और कनिष्ठ सहायक स्तर के 10 कर्मचारियों का भी स्थानांतरण किया गया है। सरकार ने मानव संसाधनों की समीक्षा करते हुए उन



कर्मचारियों का भी आकलन किया है, जो सीपीए के वेतनमान पर कार्यरत हैं लेकिन अन्य कार्यालयों में सेवाएं दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सीपीए दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां से दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सामग्रियों की खरीद और आपूर्ति का संचालन होता है। इस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों से 12 अनुभवी चिकित्सा अधिकारियों की तैनाती भी की गई है।

सरकार ने कई अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। इनमें परियोजना शाखा, भंडार एवं क्रय शाखा, संगणक प्रकोष्ठ, मोबाइल स्वास्थ्य योजना, सूचना का अधिकार, स्वास्थ्य मेले और अस्पताल समन्वय जैसी महत्वपूर्ण इकाइयों का संचालन शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वास्थ्य विभाग की संस्थागत क्षमता को मजबूत करने और नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

1 जुलाई से पंजाब की महिलाओं को मिलेगा ₹1000 महीना, मान सरकार की बड़ी घोषणा

चंडीगढ़। पंजाब सरकार 1 जुलाई से 'मुख्यमंत्री मावां धीयां सत्कार योजना' लागू करने जा रही है। इसके तहत राज्य की पात्र महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, जबकि दलित महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना का लाभ राज्य की लगभग 52 लाख महिलाओं को मिलेगा। अब तक करीब 37 लाख पात्र महिलाओं के कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जबकि कार्ड बनाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन महिलाओं के कार्ड 1 जुलाई तक नहीं बन पाएंगे, उन्हें भी सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी और कार्ड बाद में उपलब्ध करा दिए जाएंगे। मान ने कहा कि यह एक दीर्घकालिक योजना है और सरकार ने इसकी शुरुआत पर्याप्त बजटीय प्रावधान सुनिश्चित करने के बाद ही की है। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए 9,300 करोड़ रुपये का



प्रावधान किया गया है। योजना के तहत पंजाब की 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की निवासी महिलाएं पात्र होंगी। लाभ प्राप्त करने के लिए बैंक खाता आधार से लिंक होना आवश्यक है। सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से भेजी जाएगी। हालांकि, सरकारी कर्मचारी, सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी, वर्तमान और पूर्व सांसद-विधायक तथा आयकरदाता महिलाओं को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। वहीं वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन या दिव्यांग पेंशन प्राप्त कर रही महिलाएं भी इस योजना की पात्र होंगी और उन्हें अतिरिक्त सहायता राशि मिलेगी। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये देने का वादा किया था। अब सरकार ने इस वादे को अमलीजामा पहनाते हुए योजना लागू करने की घोषणा की है। हालांकि विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने यह योजना अपने कार्यकाल के चार वर्ष बाद शुरू की है और महिलाओं को पिछली अवधि का बकाया लाभ भी दिया जाना चाहिए।

सूरत में भीषण हादसा: दो बसों की टक्कर के बाद लगी आग, 6 की मौत

सूरत । गुजरात के सूरत जिले में बारडोली के पास धुलिया हाईवे पर मंगलवार को दो बसों की टक्कर के बाद भीषण आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हो गए। हादसा उवा-माणेकपोर गांव के निकट हुआ। जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र परिवहन निगम की बस धुलिया से सूरत जा रही थी। इसी दौरान हाईवे पर एक टैंकर पलट गया। टैंकर से बचने की कोशिश में बस चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और बस डिवाइडर पार कर गलत दिशा में चली गई। सामने से आ रही दूसरी बस से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद सीएनजी से चलने वाली एक बस में आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।



रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

महंगाई से गरीबों को बचाने पर हो फोकस

देश की अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां विकास दर को बनाए रखने और महंगाई पर नियंत्रण रखने की दोहरी चुनौती सामने है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और उसके कारण ऊर्जा तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में संभावित वृद्धि ने चिंता बढ़ा दी है। ऐसे समय में भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी समिति (एमपीसी) की बैठक बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। समिति के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि महंगाई के बढ़ते दबाव से गरीब और निम्न आय वर्ग को कैसे बचाया जाए।

महंगाई का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर समान रूप से नहीं पड़ता। मध्यम और उच्च आय वर्ग के लोग बढ़ती कीमतों का कुछ हद तक सामना कर लेते हैं, लेकिन गरीब और दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह सीधा जीवन-यापन का संकट बन जाता है। पिछले एक दशक में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के कामगारों की आय उसी अनुपात में नहीं बढ़ पाई। परिणामस्वरूप उनकी वास्तविक क्रय शक्ति कमजोर हुई है और जीवन स्तर पर प्रतिकूल असर पड़ा है। चिंता का विषय यह भी है कि रोजगार और आय से जुड़े सरकारी आंकड़े जमीनी हकीकत को पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं करते। यदि किसी दिहाड़ी मजदूर को सप्ताह में केवल कुछ घंटे काम मिला हो, तब भी उसे नियोजित श्रेणी में गिना जाता है। इससे रोजगार की स्थिति वास्तविकता से बेहतर दिखाई देती है। जबकि सच यह है कि मौसमी परिस्थितियों, आर्थिक सुस्ती और अवसरों की कमी के कारण बड़ी संख्या में श्रमिकों को नियमित काम नहीं मिल पाता। ऐसे में आय वृद्धि के आंकड़े भी भ्रामक साबित हो सकते हैं।

महंगाई का सबसे अधिक असर खाद्य पदार्थों की कीमतों में दिखाई देता है। गरीब परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा भोजन, ईंधन और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। जब खाद्यान्नों की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं तो उनके सामने परिवार का बजट संभालना कठिन हो जाता है। दूसरी ओर, जिन वस्तुओं का उपयोग मुख्यतः संपन्न वर्ग करता है, उनकी कीमतों में अपेक्षाकृत कम वृद्धि होती है। इसलिए महंगाई का बोझ गरीबों पर अधिक पड़ता है। आवश्यक है कि नीति-निर्माता केवल औसत आंकड़ों के आधार पर निर्णय न लें, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों की वास्तविक स्थिति को केंद्र में रखें। महंगाई नियंत्रण, रोजगार सृजन और गरीबों की आय बढ़ाने की दिशा में समन्वित प्रयास समय की मांग हैं। आर्थिक विकास तभी सार्थक माना जाएगा जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और महंगाई के दुष्प्रभावों से सबसे कमजोर वर्ग सुरक्षित रह सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा क्रांति

सूर्य घर योजना से आत्मनिर्भर बन रहे लाखों परिवार

राज्य सरकार लगातार लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य देश के एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करना है। इसके माध्यम से आम नागरिक अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन कर सकते हैं और हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 3 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर 78,000 तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रु0 30 हजार के अतिरिक्त सहयोग से यह सब्सिडी 1,08,000 तक पहुंच जाती है। इससे मध्यम वर्ग और सामान्य परिवारों के लिए सोलर सिस्टम लगाना बेहद आसान हो गया है। मुख्यमंत्री ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आवेदन प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। आज उत्तर प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां सूर्य घर योजना को लेकर लोगों में सबसे अधिक उत्साह देखने को मिल रहा है। राजधानी लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज, आगरा, बरेली जैसे शहरों में लाखों घरों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं...

प्रवीन मालवीय

भारत आज ऊर्जा के क्षेत्र में एक नए युग की ओर बढ़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या, तेजी से बढ़ती बिजली की मांग और पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक चुनौतियों के बीच स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। **ऐसे समय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्य घर, मुफ्त बिजली योजना देश में ऊर्जा क्रांति का आधार बन रही है। वहीं उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यह योजना अभूतपूर्व सफलता प्राप्त कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीतियों, बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था और जनकल्याणकारी सोच के कारण उत्तर प्रदेश आज देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है जहां रूफटॉप सोलर ऊर्जा का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह योजना केवल बिजली बिल कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों को ऊर्जा उत्पादक बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त करने का कार्य भी कर रही है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम उत्तर प्रदेश लंबे समय तक बिजली संकट, कटौती और बढ़ती ऊर्जा मांग जैसी चुनौतियों से जूझता रहा।**

लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में बड़े सुधार हुए हैं। गांवों से लेकर शहरों तक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, नए विद्युत उपकेंद्रों की स्थापना, ट्रांसमिशन नेटवर्क का विस्तार और रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति जैसी उपलब्धियों ने प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में नई पहचान दी है। अब सूर्य घर योजना इस परिवर्तन को नई ऊंचाई दे रही है। प्रदेश सरकार ने इस योजना को केवल एक सरकारी योजना के रूप में नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के मिशन के रूप में आगे बढ़ाया है। राज्य सरकार लगातार लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य देश के एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करना है। इसके माध्यम से आम नागरिक अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन कर सकते हैं और हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 3 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर 78,000 तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रु0 30 हजार के अतिरिक्त सहयोग से यह सब्सिडी 1,08,000 तक पहुंच जाती है। इससे मध्यम वर्ग और सामान्य परिवारों के लिए सोलर सिस्टम लगाना बेहद आसान हो गया है। मुख्यमंत्री ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आवेदन प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। आज उत्तर प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां सूर्य घर योजना को लेकर लोगों में सबसे अधिक उत्साह देखने को मिल रहा है। राजधानी लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज, आगरा, बरेली जैसे शहरों में लाखों घरों पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग तेजी से इस योजना से जुड़ रहे हैं। पहले जहां गांवों में बिजली बिल एक बड़ी चिंता हुआ करता था, वहीं अब लोग अपनी छतों से बिजली उत्पादन कर आत्मनिर्भर बनने लगे हैं। प्रदेश सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के विस्तार को समान प्राथमिकता दे रही है। राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजी जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है



और लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है। सूर्य घर योजना का सबसे बड़ा लाभ आम जनता को मिल रहा है। लगातार बढ़ते बिजली बिलों से परेशान परिवारों के लिए यह योजना राहत का बड़ा माध्यम बनकर सामने आई है। एक सामान्य 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम प्रतिमाह लगभग 300 से 450 यूनिट बिजली उत्पन्न कर सकता है। इससे उपभोक्ताओं के बिजली बिल में भारी कमी आ रही है। नेट मीटरिंग व्यवस्था के माध्यम से अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजा जा रहा है, जिससे भविष्य के बिलों में और अधिक राहत मिलती है। सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल मंचों पर लोग इस योजना की खुलकर सराहना कर रहे हैं। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि सब्सिडी मिलने के बाद सोलर सिस्टम की लागत लगभग 4 से 5 वर्षों में निकल आती है, जबकि इसके बाद अगले 20 से 25 वर्षों तक लगभग मुफ्त बिजली का लाभ मिलता है। यह योजना केवल आर्थिक बचत का माध्यम नहीं है, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का अभियान भी है। प्रदेश सरकार का ध्येय है कि प्रदेश का हर परिवार ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को स्वयं पूरा कर सके। सौर ऊर्जा केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। पारंपरिक बिजली उत्पादन में कोयला और अन्य जीवाश्म ईंधनों का उपयोग होता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सूर्य घर योजना के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है। इससे कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण में कमी आएगी। बड़े स्तर पर रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने से भविष्य में ऊर्जा संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों दोनों से काफी हद तक राहत मिल सकती है। उत्तर प्रदेश सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से ग्रीन एनर्जी स्टेट बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सूर्य घर योजना ने रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए हैं। सोलर पैनल निर्माण, इंस्टॉलेशन, मेंटेनेंस और तकनीकी सेवाओं में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिल रहा है।प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र के विस्तार से तकनीकी विशेषज्ञों, इलेक्ट्रिशियन और इंजीनियरों की मांग बढ़ी है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन हो रहा है और युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं। सरकार का लक्ष्य केवल बिजली उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि ऊर्जा क्षेत्र को रोजगार और आर्थिक विकास का मजबूत आधार बनाना भी है। योजना की सफलता का एक बड़ा कारण इसकी पारदर्शी और सरल प्रक्रिया भी है। **(सूचना विभाग लखनऊ)**

मंथन

नृपेन्द्र अभिषेक नृप



क्या सुरक्षित हैं हमारी राष्ट्रीय परीक्षाएं?

देश में इन दिनों एक बार फिर राष्ट्रीय परीक्षाओं की विश्वसनीयता चर्चा के केंद्र में है। पहले नीट-यूजी के प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा प्रबंधन को लेकर उठे विवादों ने लाखों विद्यार्थियों और अभिभावकों को चिंतित किया था। इसके बाद सीबीएसई की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में तकनीकी गड़बड़ियों की खबरें सामने आईं। अब विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली सीयूईटी-यूजी परीक्षा में तकनीकी समस्याओं और परीक्षा केंद्रों पर अव्यवस्थाओं ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। इन घटनाओं ने केवल कुछ परीक्षाओं की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया है, बल्कि उस पूरे तंत्र की विश्वसनीयता को चुनौती दी है, जिस पर करोड़ों युवाओं के सपने और भविष्य आधारित हैं।

आज प्रश्न केवल यह नहीं है कि किसी परीक्षा में तकनीकी त्रुटि क्यों हुई, बल्कि यह है कि क्या भारत की परीक्षा व्यवस्था तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया के अनुरूप स्वयं को पर्याप्त रूप से तैयार कर पा रही है। भारत को युवाओं का देश कहा जाता है। यहां हर वर्ष करोड़ों विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेते हैं। इन परीक्षाओं का महत्व केवल नौकरी या प्रवेश तक सीमित नहीं होता, बल्कि ये सामाजिक गतिशीलता, अवसरों की समानता और प्रतिभा के सम्मान का माध्यम भी होती हैं। ऐसे में जब किसी परीक्षा की निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न होता है, तो उसका प्रभाव केवल परिणामों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह युवाओं के मनोबल, व्यवस्था के प्रति विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख पर भी पड़ता है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में बार-बार सामने आ रही परीक्षा संबंधी समस्याएं एक गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गई हैं। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की स्थापना वर्ष 2017 में इस उद्देश्य से की गई थी कि देश की प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं का संचालन अधिक पेशेवर, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से किया जा सके। इसके माध्यम से जेईई, नीट, सीयूईटी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं को एक सुव्यवस्थित ढांचे के अंतर्गत लाने का प्रयास किया गया। प्रारंभिक वर्षों में यह व्यवस्था अपेक्षाकृत सफल भी दिखाई दी। डिजिटल तकनीक के उपयोग, ऑनलाइन परीक्षाओं और केंद्रीकृत प्रबंधन ने प्रक्रिया को आधुनिक बनाने में मदद की। किंतु समय के साथ अनेक विवादों और तकनीकी चुनौतियों ने यह संकेत दिया कि केवल संस्थागत ढांचा बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी कार्यकुशलता और जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सीयूईटी-यूजी परीक्षा में सामने आई तकनीकी समस्याएं इसी व्यापक संकट का हिस्सा हैं। कई केंद्रों पर सर्वर संबंधी दिक्कतें, कंप्यूटरों की खराबी, लॉगिन में विलंब तथा परीक्षा संचालन में बाधाएं देखने को मिलीं। डिजिटल परीक्षा प्रणाली का मूल उद्देश्य मानवीय त्रुटियों को कम करना और प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना था, लेकिन जब तकनीक स्वयं समस्या का कारण बन जाए तो विद्यार्थियों के लिए यह दोहरी चुनौती बन जाती है। परीक्षा के दौरान कुछ मिनटों का व्यवधान भी किसी अभ्यर्थी के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या तकनीकी अवसंरचना को पर्याप्त रूप से परखा और मजबूत किया गया था। समस्या का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम परीक्षा के बढ़ते डिजिटलीकरण से जुड़ा है। डिजिटल तकनीक निस्संदेह आधुनिक परीक्षा प्रणाली की आवश्यकता है, किंतु इसके साथ अनेक जोखिम भी जुड़े हैं। साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, सर्वर क्षमता, नेटवर्क स्थिरता और आपदा प्रबंधन जैसी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। भारत जैसे विशाल देश में, जहां लाखों विद्यार्थी एक साथ परीक्षा देते हैं, वहां किसी भी तकनीकी विफलता का प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है। इसलिए केवल तकनीक अपनाना पर्याप्त नहीं है; उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उसका सुरक्षित, विश्वसनीय और निरंतर परीक्षण किया हुआ होना है। नीट, सीबीएसई या सीयूईटी जैसे विवाद केवल अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं। ये उस गहरे संस्थागत संकट के संकेत हैं, जो परीक्षा प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर मौजूद कमजोरियों को उजागर कर रहे हैं। आवश्यकता केवल तात्कालिक संकट प्रबंधन की नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों की है। ऐसी परीक्षा व्यवस्था का निर्माण करना होगा जिसमें तकनीक सहायक बने, बाधा नहीं; प्रशासन जवाबदेह हो, उदासीन नहीं; और सबसे बढ़कर, विद्यार्थियों को यह विश्वास हो कि उनकी सफलता का आधार केवल उनकी प्रतिभा, परिश्रम और योग्यता है। जब यह विश्वास स्थापित होगा, तभी परीक्षा वास्तव में ज्ञान और क्षमता की परीक्षा होगी, न कि व्यवस्था पर भरोसे की।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिव कोई नाम नहीं



संकलित

दर्शन

मनुष्य की प्रकृति को समझने, हर तरह के मनुष्य के लिए एक रास्ता खोजने के अर्थ में, यह वाकई एक शाश्वत या हमेशा बना रहने वाला योगदान है। यह उस युग का या उस युग के लिए योगदान नहीं है। सृष्टि का अर्थ है कि जो कुछ नहीं था, वह एक-दूसरे से मिलकर कुछ बन गया। उन्होंने इस सृष्टि को खोलकर एक शून्य की स्थिति में लाने का तरीका खोजा। इसीलिए हमने उन्हें शिव नाम दिया। इसका अर्थ है 'वह जो नहीं है'। जब 'वह जो नहीं है', कुछ या 'जो कुछ है' बन गया, तो हमने उस आयाम को ब्रह्म कहा। शिव को यह नाम इसलिए दिया गया, क्योंकि उन्होंने एक तरीका, एक विधि नहीं, बल्कि हर संभव तरीका बताया कि चरम मुक्ति को कैसे पाएं, जिसका अर्थ है, कुछ से कुछ नहीं तक जाना। शिव कोई नाम नहीं हैं, वह एक वर्णन है। जैसे यह कहना कि कोई डाक्टर है, वकील है या इंजीनियर है, हम कहते हैं कि वह शिव हैं, जीवन को शून्य बनाने वाले। इसे जीवन के विनाशकर्ता के रूप में थोड़ा गलत समझ लिया गया, लेकिन वह भी सही है। बात मात्र यह है कि जब आप 'विनाशकर्ता' शब्द का इस्तेमाल करते हैं, तो लोग उसे बुरा समझ लेते हैं। अगर किसी ने 'मुक्तिदाता' कहा होता तो उसे अच्छा माना जाता। धीरे-धीरे 'शून्य करने वाला', 'विनाशकर्ता' बन गया और लोग यह सोचने लगे कि वह बुरे हैं। आप उन्हें कुछ भी कहिए, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता- बुद्धिमत्ता की प्रकृति यही है। अगर आपकी बुद्धिमत्ता एक ऊंचाई पर पहुंच जाती है, तो आपको किसी नैतिकता की जरूरत नहीं होगी।

जीवन में गुरु की आवश्यकता क्यों?

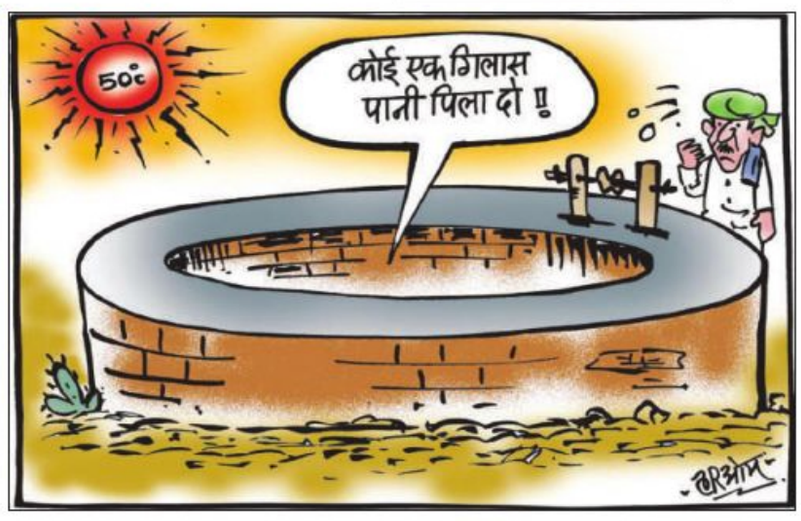


संकलित

प्रेरणा

एक गाय घास चरने के लिए एक जंगल में चली गई। शाम ढलने के करीब थी। उसने देखा कि एक बाघ उसकी तरफ दबे पांव बढ़ रहा है। वह डर के मारे इधर-उधर भागने लगी। वह बाघ भी उसके पीछे दौड़ने लगा। दौड़ते हुए गाय को सामने एक तालाब दिखाई दिया। घबराई हुई गाय उस तालाब के अंदर घुस गई। वह बाघ भी उसका पीछा करते हुए तालाब के अंदर घुस गया। तब उन्होंने देखा कि वह तालाब बहुत गहरा नहीं था। उसमें पानी कम था और वह कीचड़ से भरा हुआ था। उन दोनों के बीच की दूरी काफी कम हुई थी। लेकिन अब वह कुछ नहीं कर पा रहे थे। वह गाय उस किचड़ के अंदर धीरे-धीरे धंसने लगी। वह बाघ भी उसके पास होते हुए भी उसे पकड़ नहीं सका। वह भी धीरे-धीरे कीचड़ के अंदर धंसने लगा। दोनों भी करीब करीब गले तक उस कीचड़ के अंदर फस गए। दोनों हिल भी नहीं पा रहे थे। गाय के करीब होने के बावजूद वह बाघ उसे पकड़ नहीं पा रहा था। थोड़ी देर बाद गाय ने उस बाघ से पूछा, क्या तुम्हारा कोई गुरु या मालिक है? बाघ ने गुर्राते हुए कहा, मैं तो जंगल का राजा हूं। मेरा कोई मालिक नहीं। मैं खुद ही जंगल का मालिक हूं। गाय ने कहा, लेकिन तुम्हारे उस शक्ति का यहां पर क्या उपयोग है? उस बाघ ने कहा, तुम भी तो फस गई हो और मरने के करीब हो। तुम्हारी भी तो हालत मेरे जैसी है। गाय ने मुस्कुराते हुए कहा, बिलकुल नहीं। मेरा मालिक जब शाम को घर आएगा और मुझे वहां पर नहीं पाएगा तो वह ढूंढते हुए यहां जरूर आएगा और मुझे इस कीचड़ से निकाल कर अपने घर ले जाएगा।

सटाका



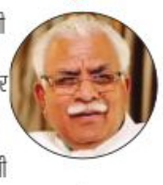
आज की पाती

प्रदूषण व जमाखोरी से देश को बचाएंगे पॉलीमर नोट

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा देश में प्लास्टिक अर्थात पॉलीमर नोटों को प्रचलन में लाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास न केवल भारतीय मुद्रा व्यवस्था के आधुनिकीकरण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण तथा नकली मुद्रा पर प्रभावी नियंत्रण की दृष्टि से भी ऐतिहासिक साबित हो सकते हैं। यदि यह योजना व्यापक स्तर पर लागू होती है, तो इसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। आरबीआई पिछले एक दशक से पॉलीमर नोटों के प्रचलन की संभावनाओं पर विचार कर रहा है और इस परियोजना पर निरंतर कार्य भी किया जा रहा है। इसके अंतर्गत नोट छापने वाली इकाइयों से लेकर एटीएम मशीनों तक को नई व्यवस्था के अनुरूप तैयार करने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। - *संतोष वर्मा, करनाल*

ट्रेंड

जहां जरूरी होगा कार्रवाई करेंगे



जमीन, भूमि एवं विकास कार्यालय (एलएंडडीओ) की एक विशेषता है। स्वतंत्रता से पहले भी एलएंडडीओ को जमीन हस्तांतरित की जाती रही है। चूंकि उस समय दिल्ली में राज्य सरकार नहीं थी, इसलिए केंद्र सरकार जमीन की मालिक बनी। अब जहां जरूरी होगा कार्रवाई की जाएगी। -**मनोहर लाल**, केंद्रीय मंत्री

मैं जनता का पहला सेवक



मेरी राजनीति भी मेरे सूट की तरह ब्लैक एंड व्हाइट होगी। ये रंग साफ सोच और बिना किसी भ्रम के फैसले लेने का संदेश देते हैं। इतने सालों से आपको धोखा देने वालों को छोड़कर आपने भाई को चुना। मैं खुद को मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि जनता का पहला सेवक मानता हूं।
-**विजय थलापति**, सीएम, तमिलनाडु

राज्य में अराजकता फैली



कुछ विधायकों और सांसदों को डराने-धमकाने या रिश्वत देकर टीएमसी को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। जो लोग टीएमसी छोड़कर गए हैं, उनके जाने से पार्टी का भला ही हुआ है। राज्य में अराजकता पूरी तरह से फैली हुई है।
-**ममता बनर्जी**, पूर्व सीएम, बंगाल

रोजगार के लिए कदम उठा रहे



मेरा सपना गरीबी-मुक्त समाज देखना है। मैं हमेशा बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के बारे में सोचता हूं। विभिन्न श्रेणियों के तहत दी जाने वाली पेंशन बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रतिमाह तक कर दी है। सरकार रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए कदम उठा रही है। -**एन. चंद्रबाबू नायडू**, सीएम, आंध्र प्रदेश

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

ब्रिटेन में भारतीय कर्मी को बकाया वेतन देने का आदेश

ब्रिटेन में रोजगार न्यायाधिकरण ने भारतीय देखभाल कर्मी को 28,000 पाउंड से अधिक की बकाया मजदूरी और अवकाश वेतन देने का आदेश दिया है। न्यायाधिकरण ने पाया कि भारतीय कर्मी को काम दिलाने की जिम्मेदारी लेने वाली कंपनी उसे काम नहीं दिला सकी। दरअसल 33 वर्षीय शाबिन शाजी स्वास्थ्य एवं देखभाल कर्मी वीजा के तहत ब्रिटेन पहुंचा था। उसने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नौकरी के लिए स्वान केयर सॉल्यूशंस लिमिटेड से आवश्यक 'स्पॉन्सरशिप' प्रमाणपत्र प्राप्त किया था। शाजी ने हाल ही में बर्मिंघम के रोजगार न्यायाधिकरण को बताया कि 'स्पॉन्सर' कंपनी ने न तो उन्हें कोई काम दिया और न ही वेतन का भुगतान किया, जो कि वेतन में अनधिकृत कटौती के समान है। रोजगार न्यायाधीश एडमंड्स ने अपने फैसले में कहा, दावेदार (शाजी) को यह साबित करना था कि उन्हें निर्धारित वेतन का भुगतान नहीं किया गया। मैंने पाया है कि दावेदार 15 अप्रैल 2023 से 21 अप्रैल 2024 तक कंपनी का कर्मचारी था। उसके अनुबंध में सप्ताह 40 घंटे कार्य और 22,880 पाउंड वार्षिक सकल वेतन का प्रावधान था। उन्होंने कहा, इस अवधि के दौरान दावेदार अपने काम के लिए तैयार, इच्छुक और सक्षम था। वह केवल इसलिए काम नहीं कर पाया क्योंकि प्रतिवादी (कंपनी) ने उसे काम उपलब्ध नहीं कराया।



ऑफ बीट

कपड़े धोने के पाउडर, तरल डिटर्जेंट में क्या अंतर है?

कपड़े धोने के पाउडर और तरल पदार्थ दोनों में सक्रिय तत्व 'सर्फेक्टेंट' होते हैं, जिन्हें डिटर्जेंट (उत्पाद का नाम) के रूप में भी जाना जाता है। ये आम तौर पर आवेशित या 'आयनिक' अणु होते हैं जिनकी संरचना में दो अलग-अलग भाग होते हैं। एक भाग पानी के साथ और दूसरा भाग तेलीय कणों के साथ क्रिया करता है। यह उपयोगी गुण सर्फेक्टेंट को कपड़ों से ग्रीस और गंदगी को हटाने और पानी के जरिए निकालने की अनुमति देता है। सर्फेक्टेंट बुलबुले भी बना सकते हैं। आपके पानी में घुले धातु के लवण सर्फेक्टेंट के प्रदर्शन को सीमित कर सकते हैं। तथाकथित खारे पानी में बहुत सारे घुले हुए कैल्शियम और मैग्नीशियम लवण होते हैं जो आसानी से साबुन का मैल बना सकते हैं। इसलिए कपड़े धोने के आधुनिक डिटर्जेंट में साबुन के मैल को बनने से रोकने के लिए फॉस्फेट और पानी से कठोर धातुओं को हटाने वाले तत्व होते हैं। कई उत्पादों में 'ऑप्टिकल ब्राइटनर' भी होते हैं। ये रसायन पराबैंगनी प्रकाश को अवशोषित करते हैं और नीली रोशनी छोड़ते हैं, जो सफेद रंग को और सफेद या चमकदार बनाता है। कपड़े धोने के डिटर्जेंट में आम तौर पर सुगंध होती है। इस सुगंध के लिए भी रसायन का उपयोग किया जाता है।



स्वच्छ भारत मिशन 2.0 को जनआंदोलन बनाने पर जोर, मुख्य सचिव ने दिए नियमित समीक्षा के निर्देश



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में शहरी स्वच्छता और वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को सचिवालय में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की समीक्षा बैठक आयोजित कर अधिकारियों को मिशन को जनआंदोलन का स्वरूप देने और नागरिक सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 राज्य में सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ रहा है और इसकी पहुंच व्यापक है। उन्होंने कहा कि अब आवश्यकता इस बात की है कि आम नागरिकों को स्वच्छता अभियानों से अधिकाधिक जोड़ा जाए, ताकि शहरों को स्वच्छ और आधुनिक बनाया जा सके।

बैठक में मिशन के विभिन्न घटकों जैसे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोग किए गए जल के प्रबंधन, जनजागरूकता कार्यक्रमों और क्षमता निर्माण गतिविधियों की समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ), प्रोसेसिंग प्लांट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, बायो-रिमेडिएशन तथा डोर-टू-डोर जागरूकता अभियानों के माध्यम से शहरी स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों और जयपुर में संचालित 1000 टीपीडी क्षमता वाले वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न शहरी निकायों को एक-दूसरे की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों और नवाचारों को साझा करने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्रों में तकनीकी एकरूपता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही नियमित कार्यशालाओं के आयोजन के निर्देश भी दिए।

उन्होंने अमृत 2.0 परियोजनाओं में तेजी लाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े कार्य सीधे आमजन के जीवन स्तर को प्रभावित करते हैं। इसलिए स्थानीय निकायों को नवाचार आधारित मॉडल विकसित कर नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने बताया कि राज्य में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत 4804.94 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत हैं। वर्तमान में 27 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र संचालित हैं। अब तक 97.43 लाख घनमीटर लीगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक निस्तारण कर लगभग 729.79 एकड़ भूमि को पुनः उपयोग योग्य बनाया जा चुका है। जयपुर के वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट के साथ-साथ जोधपुर में भी ऐसी परियोजना पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

बैठक में सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त राजस्थान अभियान सहित विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

जल जीवन मिशन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

-हर घर जल प्रमाणीकरण एवं जल सेवा आकलन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् प्रतिभा वर्मा की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित जल सेवा आकलन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों में आवश्यक सुधार हेतु कार्ययोजना तैयार कर अनुमोदन के लिए समय पर प्रेषित की जा सके। बैठक में जलापूर्ति व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुचारू बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए।

बैठक में जिले में संचालित जल सेवा आकलन कार्यक्रम एवं लंबित हर घर जल प्रमाणीकरण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान सरपंच संघ के अध्यक्ष एवं ग्राम विकास अधिकारी संघ के पदाधिकारियों के साथ ग्राम पंचायतों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई।

बैठक में हर घर जल प्रमाणीकरण से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए सरपंच संघ द्वारा विद्युत बिलों के भुगतान एवं योजनाओं के संचालन एवं संधारण से संबंधित विषय उठाए गए। बैठक में बताया गया कि जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावित कार्य, जल जीवन मिशन 1.0 के शेष कार्यों के पूर्ण होने के पश्चात ही प्रारंभ किए जा सकेंगे। अधिकारियों ने सरपंच संघ से हर घर जल प्रमाणीकरण कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया, जिस पर सरपंच संघ द्वारा सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया गया।

बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों, विकास अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राजस्थान संपर्क पोर्टल पर 96.55 प्रतिशत शिकायतों का निस्तारण, रुडसिको कार्यकारी निदेशक ने किया निरीक्षण



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान शहरी पेयजल, सीवरेज एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड (रूडसिको) के कार्यकारी निदेशक हरिमोहन मीणा ने मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क (181) हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संपर्क पोर्टल की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए इसे आमजन और सरकार के बीच प्रभावी संवाद का माध्यम बताया। निरीक्षण के दौरान मीणा ने स्वयं हेल्पलाइन के माध्यम से कई परिवादियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने करौली निवासी लोकेश बैरवा से संवाद किया, जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की थी। जांच में सामने आया कि केवाईसी प्रक्रिया लंबित होने के कारण भुगतान अटका हुआ था। मीणा ने परिवादी को आश्वस्त किया कि अब केवाईसी पूरी होने के बाद जल्द ही भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। इसी प्रकार बालोतरा निवासी रामकिशन ने सीवर लाइन बिछाने के बाद तीन माह से सड़क निर्माण नहीं होने की समस्या बताई। इस पर कार्यकारी निदेशक ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने झालावाड़ के रामलाल, गंगानगर के बलराम सहित अन्य शिकायतकर्ताओं से भी सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

संपर्क पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार आरयूआईडीपी और रूडसिको से संबंधित अब तक कुल 5,536 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें से 5,345 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया जा चुका है, जो कुल शिकायतों का लगभग 96.55 प्रतिशत है। विभाग का संतुष्टि स्तर 66.32 प्रतिशत दर्ज किया गया है, जबकि शिकायतों के समाधान में औसतन 23 दिन का समय लग रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता कृष्ण कुमार नाटाणी सहित विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) के माध्यम से विभिन्न विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर कंट्रोल रूम पहुंचकर आमजन से सीधे संवाद कर रहे हैं, जिससे शिकायतों के त्वरित समाधान और पारदर्शिता को बढ़ावा मिल रहा है।

3 दिन में सभी लंबित भुगतान निपटाने के निर्देश



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ईजीएस आयुक्त श्रीमती पुष्पा सत्यानी ने सोमवार को शासन सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सभी जिला कार्यक्रम समन्वयकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से योजना के क्रियान्वयन की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। आयुक्त ने योजना के अंतर्गत सामग्री मद और प्रशासनिक मद के भुगतान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से लंबित भुगतान संबंधी सभी प्रक्रियाएं आगामी तीन दिनों में पूर्ण कर जीरो पेंडेंसी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने योजनांतर्गत कार्यरत संविदा कार्मिकों के मानदेय भुगतान को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

श्रीमती सत्यानी ने ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि अधिकाधिक जॉब कार्डधारी परिवारों को निर्धारित समय सीमा में रोजगार दिया जाए। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और श्रमिक नियोजन बढ़ाने के लिए जिला अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त आयुक्त जुगल किशोर मीणा ने ई-केवाईसी और कार्यों की जियो टैगिंग की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा आगामी मानसून को देखते हुए सघन पौधारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए। वित्तीय सलाहकार ने सीए ऑडिट के लिए आवश्यक डेटा सत्यापन निर्धारित प्रारूप में तत्काल मुख्यालय भेजने को कहा। वहीं, परियोजना निदेशक रतन लाल अटल ने जिलों में पूर्ण हुए उत्कृष्ट कार्यों के फोटो और सफलता की कहानियां नियमित रूप से राज्य मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता, परियोजना अधिकारी तथा विभिन्न प्रकोष्ठों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

अवैध शराब के खिलाफ बड़ा अभियान: 922 गिरफ्तार, 2046 मामले दर्ज



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा 1 मई से 31 मई तक विशेष निरोधात्मक अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभाग ने व्यापक कार्रवाई करते हुए 2046 अभियोग दर्ज किए और अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 922 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में अन्य राज्यों की लगभग 3 करोड़ 93 लाख रुपये मूल्य की अंग्रेजी शराब जब्त की गई। इसके अलावा 7,182 लीटर देशी मदिरा, 39,219 लीटर भारत निर्मित विदेशी मदिरा, 19,806 लीटर बीयर, 13,443 लीटर हथकड़ शराब तथा 30 लीटर स्प्रिट बरामद की गई। विभाग ने कार्रवाई के दौरान 5 लाख 62 हजार 984 लीटर वॉश और अवैध शराब भट्टियों को भी नष्ट किया।

अभियान के तहत 15 बड़े वाहन, 13 हल्के चारपहिया वाहन, एक तिपहिया वाहन तथा 65 दुपहिया वाहन सहित कुल 94 वाहनों को जब्त किया गया। आबकारी आयुक्त ने पूरे अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए सभी जोन और जिला अधिकारियों को गश्त, नाकाबंदी और दबिश की कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस के सहयोग से भी प्रभावी कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान कई बड़े मामलों का खुलासा हुआ। उदयपुर के खेरवाड़ा क्षेत्र में ट्रक कंटेनर से 35 लाख रुपये मूल्य की अंग्रेजी शराब बरामद की गई। हनुमानगढ़ में भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर करीब 90 लाख रुपये की शराब पकड़ी गई। वहीं जोधपुर के ओसियां क्षेत्र में 58 लाख रुपये मूल्य की शराब जब्त की गई।

इसके अलावा कोटा में दो अलग-अलग कार्रवाई में 60 लाख और 70 लाख रुपये की अंग्रेजी शराब पकड़ी गई। बाड़मेर के बालोतरा क्षेत्र में 62 लाख रुपये मूल्य की शराब तथा दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 50 लाख रुपये की अवैध शराब बरामद की गई। जालौर में भी एक मिनी ट्रक से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त की गई।

आबकारी विभाग का यह विशेष अभियान प्रदेश में अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नगर निगम ने अजमेरी गेट से अतिक्रमण हटवाया

-25 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में कंचन गंगा अपार्टमेन्ट, विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सामने, रिको पुलिया सांगानेर, श्योपुर रोड़ सांगानेर, इण्डिया गेट सीतापुरा, एसएमएस अस्पताल गेट नं. 2 व 3 के सामने, ट्रोमा सेन्टर, अजमेरी गेट, महारानी कॉलेज, महेश नगर एवं किसान मार्ग आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 25 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 13 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में कंचन गंगा अपार्टमेन्ट, विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सामने, रिको पुलिया सांगानेर, श्योपुर रोड़ सांगानेर, इण्डिया गेट सीतापुरा, एसएमएस अस्पताल गेट नं. 2 व 3 के सामने, ट्रोमा सेन्टर, अजमेरी गेट, महारानी कॉलेज, महेश नगर एवं किसान मार्ग आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 13 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 25 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

वंदे गंगा अभियान के तहत शील की डूंगरी बांध पर जल संरक्षण का संदेश, ग्रामीणों ने लिया संकल्प



जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के महत्वाकांक्षी "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026" के तहत शील की डूंगरी बांध पर जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 100 ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता भुवन भास्कर रहे। उनके नेतृत्व में कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत जल पूजन के साथ हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जल अर्घ्य अर्पित किया गया तथा कैलाश यात्रा, जल पर चुनरी अर्पण और सामूहिक जल शपथ जैसे आयोजनों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य अभियंता भुवन भास्कर ने अपने संबोधन में कहा कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और जनभागीदारी आधारित जल प्रबंधन को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने लोगों से जल बचाने और जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान बांध परिसर में पौधारोपण भी किया गया। उपस्थित ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पौधों की सुरक्षा तथा जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग का संदेश भी दिया गया। उल्लेखनीय है कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के अंतर्गत राज्यभर में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता विकसित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। शील की डूंगरी बांध पर आयोजित यह कार्यक्रम जनभागीदारी से जल संरक्षण को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि गोपाल शर्मा, अधिशासी अभियंता अनिल थालोर, सहायक अभियंता अनुराधा चौधरी, चाकसू नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर कार्मिक निलंबित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जनगणना 2027 के कार्य में लापरवाही बरतने पर जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक जनगणना कार्मिक को निलंबित कर दिया है। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर संदेश नायक के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, प्रगणक अंजू वर्मा, अध्यापिका लेवल-2 (अंग्रेजी), राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डेहरा, जोबनेर को जनगणना कार्य के लिए नियुक्त किया गया था। कार्यमुक्त किए जाने के बाद भी उन्होंने तहसीलदार जोबनेर द्वारा आवंटित एचएलबी संख्या 0152 का कार्य प्रारंभ नहीं किया। इसे जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य के प्रति लापरवाही और अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना माना गया। जिला कलक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अंजू वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जोबनेर निर्धारित किया गया है। कलक्टर ने सभी जनगणना कार्मिकों को समयबद्ध और गंभीरता के साथ कार्य करने की चेतावनी देते हुए कहा कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं हुआ तो होगा आर-पार का आंदोलन



रेनवाल मांजी (रॉयल पत्रिका)। पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारियों ने सोमवार को अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा ना खोलते हुए आंदोलन का बिगुल फूंक दिया। स्वाभिमान बचाओ आंदोलन के तहत माधोराजपुरा ब्लॉक के कर्मचारियों ने एकजुट होकर बीडीओ जिज्ञासा शर्मा एवं एसडीएम कार्यालय पर मुख्यमंत्री और पंचायतीराज मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा तथा मांगें नहीं माने जाने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में आर-पार का आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन में कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों से पंचायती राज विभाग मंत्रालयिक संवर्ग के करीब 16 हजार कर्मचारियों के साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार कर रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी न्यायसंगत मांगों को वर्ष 2013 की कनिष्ठ लिपिक भर्ती की जांच के नाम पर लगातार लंबित रखा जा रहा है। संगठन पदाधिकारियों ने इसे कर्मचारियों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि किसी भी संवर्ग की मांगों को वर्षों तक लंबित रखना दुर्भाग्यपूर्ण है। ज्ञापन सौंपने के दौरान कर्मचारियों में भारी रोष देखने को मिला। कर्मचारियों ने ज्ञापन में उत्तराखंड पैटर्न लागू करने, कार्मिक विभाग के मापदंडों के अनुरूप कैडर रिव्यू करवाने, ग्राम पंचायत स्तर पर त्रिस्तरीय व्यवस्था लागू करने, अतिरिक्त प्रभार एवं हार्ड ड्यूटी भत्ता देने, एक ही भर्ती में विलंब से नियुक्त कर्मचारियों को नोशनल लाभ प्रदान करने, अंतर जिला स्थानांतरण शुरू करने तथा फर्जी भर्ती प्रकरणों की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग उठाई। ज्ञापन सौंपने के दौरान रघुवीर राणा, छाजूलाल बुनकर, पप्पू लाल जाट, दुर्गालाल खटीक, रामस्वरूप यादव, प्रभुदयाल जाट, निर्मल कुमार शर्मा, विकास शर्मा, राजेश कुमार मीणा, शिल्पी पारीक, अर्चना गोडवाल सहित बड़ी संख्या में मंत्रालयिक कर्मचारी मौजूद रहे।

दौसा की पुलिस टीम को मिलेगा 25 हजार रुपये का नकद इनाम

जयपुर । राजस्थान पुलिस की सीआईडी (अपराध शाखा) ने वर्ष 2016 में दर्ज एक मामले का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को नकद पुरस्कार घोषित किया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, सीआईडी (अपराध) राजस्थान, जयपुर बिपिन कुमार पांडेय द्वारा जारी आदेश के अनुसार ₹25,000 की इनाम राशि संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वितरित की जाएगी।

आदेश के अनुसार मानव तस्करी विरोधी यूनिट एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय, दौसा से जुड़े चार अधिकारियों/कर्मचारियों को ₹6250 — ₹6250 की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। सम्मानित अधिकारियों में मानव तस्करी विरोधी यूनिट के प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक दीपक कुमार, एसटी—एससी सेल के हेड कांस्टेबल नवीन कुमार, पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय के हेड कांस्टेबल लक्ष्मीकांत तथा एसटी—एससी सेल के कांस्टेबल भगवान सहाय शामिल हैं।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

डॉ. अरमान मलिक भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेश मंत्री नियुक्त

शब्बीर हुसैन



किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने डॉ. अरमान मलिक को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान का प्रदेश मंत्री नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों एवं खेल जगत से जुड़े लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. अरमान मलिक का छात्र राजनीति एवं संगठनात्मक कार्यों में लंबा अनुभव रहा है। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े रहे हैं तथा एबीवीपी के प्रत्याशी के रूप में वर्ष 2014 में कोटा विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव जीतकर महासचिव रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने भाजपा युवा मोर्चा में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व निभाए हैं, जिनमें भाजपा युवा मोर्चा कोटा देहात के जिला उपाध्यक्ष तथा भाजपा युवा मोर्चा राजस्थान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शामिल हैं। वर्तमान में डॉ. अरमान मलिक भाजपा के जिला संयोजक, खेल प्रकोष्ठ के रूप में भी कार्य कर रहे हैं और संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेश मंत्री नियुक्त होने पर डॉ. अरमान मलिक ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व एवं संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा, समर्पण और मेहनत के साथ निर्वहन करेंगे तथा संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति पर पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान की प्रदेश मंत्री नियुक्त होने पर मेहनाज पटेल ने जताया आभार



सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान में सवाई माधोपुर की भाजपा नेत्री मेहनाज पटेल को प्रदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार, राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के मार्गदर्शन, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती की सहमति एवं भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के सहयोग से की गई। प्रदेश मंत्री नियुक्त किए जाने पर मेहनाज पटेल ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व एवं संगठन पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा उन पर जताए गए विश्वास का निर्वहन वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ करेंगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति एवं जनकल्याणकारी विचारधारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। मेहनाज पटेल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती एवं जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर सहित समस्त पार्टी नेतृत्व के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

मुस्लिम वक्फ कमेटी के अध्यक्ष एवं समाजसेवी इंसाफ खान नेता जी सुपुर्द-ए-खाक

मोहम्मद यासीन



सोजत (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम वक्फ कमेटी के अध्यक्ष एवं समाजसेवी इंसाफ खान नेता जी का सोमवार रात्रि निधन हो गया। उनके निधन के समाचार से सोजत सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए गहरा दुःख व्यक्त किया। इंसाफ खान नेता जी ने अपना संपूर्ण जीवन कौम, समाज और जनसेवा के लिए समर्पित कर दिया। वे हमेशा लोगों के सुख-दुख में सहभागी रहे तथा सामाजिक, धार्मिक एवं जनहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर योगदान देते रहे। उनके मिलनसार, विनम्र और हंसमुख व्यक्तित्व ने उन्हें हर वर्ग में सम्मान और लोकप्रियता दिलाई। समाज के लोगों का कहना है कि इंसाफ खान नेता जी केवल एक पदाधिकारी नहीं, बल्कि लोगों के मार्गदर्शक और भरोसेमंद साथी थे। जरूरतमंदों की मदद करना और समाज के हित में कार्य करना उनकी पहचान बन गया था। उनके निधन से क्षेत्र ने एक ऐसे जनसेवक को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। मंगलवार को दोपहर 1:00 बजे बिलाड़िया गेट के बाहर स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनके जनाजा की नमाज शहर काजी मौलाना हाजी कमरूद्दीन रिज़वी ने अदा करवाई व दुआ-ए-मगफिरत की गई। जहां बड़ी तादाद में शहर के नामचीन हस्तियों के साथ हिन्दू मुस्लिम भाई उपस्थित थे।

विद्यालय भवन व खेल मैदान के लिए भूमि आवंटित

बारां । जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने प्रधानाध्यापक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बालापुरा डांग पं.स. छबड़ा द्वारा विद्यालय बालापुरा डांग के लिए भूमि आवंटन की मांग पर उपखण्ड अधिकारी व तहसीलदार छबड़ा की अनुशंषा पर ग्राम बालापुरा तहसील छबड़ा की आराजी खसरा नंबर 188 रकबा 15.6419 हेक्टेयर में से 0.5059 हेक्टेयर किस्म चारागाह भूमि विद्यालय भवन निर्माण व खेल मैदान के लिए निशुल्क आवंटन के आदेश प्रदान किए है। साथ ही चारागाह की क्षतिपूर्ति के लिए ग्राम डांगपुरा की भूमि खसरा नंबर 16 रकबा 5.0201 हेक्टेयर किस्म बीड में से 0.5059 हेक्टेयर भूमि को चारागाह दर्ज करने की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

महंगाई से आमजन बेहाल, बिजली-पानी की समस्याओं पर सरकार मौन - मेवाड़ा

-नीट पेपर लीक, बढ़ती महंगाई और क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने निकाली हल्ला बोल रैली, शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा के निर्देशानुसार महंगाई, नीट-2026 पेपर लीक प्रकरण, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध तथा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर मंगलवार को पाली देहात ब्लॉक कांग्रेस की और से सुमेरपुर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी हरिशंकर मेवाड़ा के नेतृत्व व विधानसभा सुमेरपुर प्रभारी मकसूद अहमद की उपस्थिति एवं ब्लॉक अध्यक्ष गणेश चौधरी के तत्वावधान में हल्ला बोल रैली निकाली गई। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अर्थी निकाल कलेक्ट्र के बाहर पूतला फूंका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नीट-2026 पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से हटाने तथा बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की। वहीं जिला कलक्टर के नाम दिए ज्ञापन में क्षेत्र की बिजली, पेयजल, सड़क और शिक्षा संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई गई।

सवेरे दस बजे सभी कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी पेट्रोल पंप पर एकत्रित हुए। जहां से कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह निंबाड़ा, सेवादल प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन हटेला, खेलकूद प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मुकेश बारोलिया की अगुवानी में कलेक्ट्रेट के लिए हल्ला बोल रैली रवाना हुई। कार्यकर्ताओं ने नीट का पेपर कहां मिलेगा, बीजेपी के बाड़े में', 'महंगाई कहां मिलेगी, बीजेपी के बाड़े में' तथा 'बिजली-पानी दे ना सकी, वह सरकार बदलनी है' जैसे नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। धर्मेन्द्र प्रधान की अर्थी लेकर कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां उनका पूतला फूंका।



बिजली, पानी और सड़कों की हालत चिंताजनक : हरिशंकर मेवाड़ा

आयोजित सभा को संबोधित करते हुए हरिशंकर मेवाड़ा ने कहा कि आज आम आदमी महंगाई की मार से त्रस्त है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने आमजन का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। महंगाई के कारण किसानों, मजदूरों, व्यापारियों तथा मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है, लेकिन सरकार आमजन को राहत देने में विफल साबित हो रही है। मेवाड़ा ने कहा कि सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बार-बार बिजली कटौती से किसानों और आम उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई गांवों में पेयजल संकट गहराया हुआ है तथा लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है। वहीं अनेक सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण आमजन और वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। मेवाड़ा ने कहा कि जनता अब केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होगी, बल्कि विकास कार्यों और मूलभूत सुविधाओं में सुधार चाहती है। क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस जनहित में आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगी। मकसूद अहमद ने कहा कि देश के युवाओं का भविष्य आज खतरे में पड़ता जा रहा है। नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा का पेपर लीक होना केन्द्र सरकार की विफलता हैं। पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर ब्लॉक प्रभारी जोगाराम सोलंकी, सुमेरपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नेपाल सिंह पावा, फुटरमल, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष महेश जोशी, पूर्व उपप्रधान नारायणलाल मेघवाल, गुलाब सिंह गिरवर, यशपाल सिंह कुम्पावत, अरुण पांडे, ललित बामनिया, मुलसिंह कुम्पावत, आमीन अली रंगरेज, इंद्र सिंह राजपुरोहित, मोहन सिंह राजपुरोहित, मंडल अध्यक्ष हरिप्रसाद मीणा, मानसिंह रामनगर, जगदीश राजगुरु, जेठूसिंह राजपुरोहित, भगताराम देवासी, प्रमोद बारोलिया, रणछोड़ रावल, एडवोकेट मंशाराम मेघवाल, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष फिरोज मोयला, गुलाब सोडा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दादा कायम खां डे 14 जून को लेकर कायमखानी छात्रावास चूरू में हुई मीटिंग

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित कायम खानी छात्रावास में मंगलवार को "दादा कायम खां की शहादत" पर हर वर्ष मनाए जाने वाला "दादा कायम डे" को लेकर ददरेवा (राजगढ़) में होने वाले प्रोग्रामों पर चर्चा के लिए सुबह 10 बजे एक कॉम की मीटिंग रखी गई। जिसमें सभी ने सर्व सहमति से 14 जून को "कायमखानी छात्रावास चुरू" से सुबह 8 बजे एकत्रित होकर कॉम के सभी सरदारों ने साथ चलने पर सहमति जताई ओर साथ ही ददरेवा में पूरे प्रदेश से आने वाले कायमखानी सरदारों का चुरू की धरा ददरेवा आने पर सभी मेहमानों का स्वागत किया जायेगा ओर शाम 6 बजे कायमखानी छात्रावास, चुरू में वृक्षारोपण एवं पक्षियों के लिए परिंडे लगाए जाएंगे एवं छात्रावास में ही कॉम के सरदारों की उपस्थिति में फातिहाखानी का प्रोग्राम किया जाएगा। इस मौके पर राजस्थान कायमखानी महासभा के पदाधिकारी गण कायमखानी छात्रावास चुरू कमेटी के सदस्य गण एवं शहर ओर गांवों से आए हुए कॉम के ज़िम्मेदारान लोग उपस्थित थे। इस मौके पर राजस्थान कायमखानी महासभा जिला इकाई चूरू के जिला अध्यक्ष मुंशी खान, शहर अध्यक्ष रमज़ान खान जोईया, महमूदखान एलमान, भंवरू खां ठेकेदार, आमीन खान रिटायर्ड स्टेशन मास्टर, पप्पू खान, जंगशेर खान पूर्व सरपंच पीथीसर, आरिफ नेताजी पीथीसर, मजीद खान सरपंच राणासर, मुमताज खान जमालखानी राणासर, शकील दुर्रानी, अज़ीज़ पार्षद, कायमखानी छात्रावास सदर जब्बार खान अल्फखानी, अकरम खान अल्फखानी, जावेद खान एडवोकेट, ज़ाकिर खान केके पूर्व जिला अध्यक्ष, अख्तर खान रुकनखानी प्रदेश अध्यक्ष विकलांग सेवा संस्थान आदि कॉम के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



नकली नोट छापने और सप्लाई करने वाले गिरोह पकड़ा, सरगना समेत 3 आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग डिटेन

दौसा (रॉयल पत्रिका)। दौसा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली नोट छापने और सप्लाई करने वाले गिरोह के 4 सदस्यों को पकड़ा है। इनमें एक नाबालिग भी है। आरोपियों के पास से 24 लाख 84 हजार रुपए के 500-500 के नकली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस ने हरियाणा के फरीदाबाद से 2 आरोपियों को पकड़ा है। जबकि एक आरोपी को दौसा से गिरफ्तार किया था और एक बाल अपचारी को डिटेन किया था।

ऐसे खुला नकली नोटों का राज:-

एसपी पीयूष दीक्षित ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 28 मई को कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी आयुष कुमार मीना को 40 हजार रुपए की नकली करेंसी के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में एक बाल अपचारी के भी इसमें शामिल होने की सूचना मिली। उसे भी डिटेन कर 47 हजार रुपए की नकली करेंसी बरामद की गई। एसपी ने बताया- संतोष सिंह वाल्मीकि (33) निवासी अलीगढ़, हाल फरीदाबाद हरियाणा और विशाल उपाध्याय (42) निवासी झारखंड, हाल नोएडा यूपी को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। मामले में 28 मई को आयुष कुमार मीना (19) निवासी बीड़ की ढाणी, मांगाभाटा, थाना सदर दौसा और एक नाबालिग को पकड़ा था। पूछताछ में सरगना समेत दो आरोपियों के नाम सामने आए। तीनों को सोमवार को कोर्ट में पेश कर 7 दिन की रिमांड पर लिया गया है।



देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के अध्यक्ष देवेन्द्र दीक्षित द्वारा राजकीय संप्रेक्षण एवं किशोर गृह सवाई माधोपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 18 बाल अपचारी उपस्थित पाएं गए। देवेन्द्र दीक्षित द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में निरूद्ध बाल अपचारियों के अध्ययन, उनको मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं, शौचालय एवं स्नानघर की साफ-सफाई आदि के संबंध में जानकारी ली गई। देवेन्द्र दीक्षित द्वारा बाल अपचारियों को अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये चोरी, लूट, साइबर अपराधों एवं अन्य अपराधों से दूर रहने के लिये प्रेरित किया गया। राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह के अधीक्षक विमलेश कुमार को बाल अपचारियों के सुधार हेतु कार्य करने एवं उनके स्किल डवलपमेन्ट पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। इस दौरान देवेन्द्र दीक्षित द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में निरूद्ध बाल अपचारियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना गया। राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह की साफ-सफाई व्यवस्था एवं उनको मिल रही सुविधाओं के प्रति बाल अपचारियों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। देवेन्द्र दीक्षित द्वारा सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह की व्यवस्थाओं और भी बेहतर करने के संबंध में निर्देश दिए गएं। साथ ही देवेंद्र दीक्षित द्वारा परिसर में स्थित शिशुगृह का भी निरीक्षण कर शिशुगृह में शिशुओं की कुल संख्या, शिशुओं को मिलने वाली सुविधाओं, दत्तक ग्रहण प्रक्रिया आदि के बारे में भी जानकारी ली गई। दौराने निरीक्षण शिशुगृह में कुल 3 शिशु पाएं गए। इस दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समीक्षा गौतम, प्रिंसीपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड निधि शर्मा, काउंसलर गिर्राज प्रसाद शर्मा, न्यायमित्र नंदकिशोर बैरवा आदि उपस्थित रहे।



पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी का जताया आभार

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूँ में पेयजल समाधान हेतु 5 नए नलकूप की स्वीकृति जारी की है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को पत्र लिखकर पेयजल के समाधान हेतु नलकूप स्वीकृति की माँग की थी, जिस पर विभाग द्वारा ग्राम पंचायत देवपुरा के लिए 16.11 लाख, श्रवण जी चाय वाले मकान के पास, केंद्र रोड टांकरडा के लिए 18.18 लाख, नाथू जी खटीक के मकान के पास उदयपुरिया के लिए 18.18 लाख, चक चारणवास के लिए 18.18 लाख और बस स्टैंड आष्टीकलां के लिए 18.18 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र में पेयजल हेतु 5 ट्यूबवेल की स्वीकृति मिली है, जल्द ही इन ट्यूबवेलों का लाभ स्थानीय निवासियों को मिल सकेगा।



जहीर मकरानी बने प्रदेश उपाध्यक्ष

मोहम्मद यासीन



पाली (रॉयल पत्रिका)। राज्यसभा सांसद भारतीय जनता पार्टी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ भारतीय जनता पार्टी पाली जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी के निर्देश अनुसार भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हामिद खान मेवाती ने पाली से ज़हिर मकरानी को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। मकरानी की नियुक्ति पर पाली जिले से राजस्थान के अल्पसंख्यक मोर्चा कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर मकरानी के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कार्यकर्ताओं ने आज मकरानी के आवास पर पहुंचकर माला और साफा पहनकर भव्य स्वागत किया सभी का कार्यकर्ताओं सहित नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष जाहिर मकरानी ने भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील जी भंडारी से भाजपा कार्यालय में जाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी ने मकरानी का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया वहीं जहीर मकरानी ने प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के आवास शाहिद भाजपा के वरिष्ठ जनों के आवास पर जाकर आशीर्वाद लिया। मकरानी के साथ भाजपा संकेत मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष अजीज कोहिनूर, सलीम घोसी, वसीम रमजान खोखर, मोहम्मद यासीन,लियाकत अजमेरी, डॉ अब्दुल गफ्फार शेख, इमरान अली चूड़ीगर, दिलावर पठान, नौशाद अली, केजीएन मोहम्मद अब्बासी, महमूद कबाड़ी, सलाम शेख, आरिफ अली, रंगरेज शेर दातार, सलीम डैडी, नवीन बागोरिया, यूनुस मीर, दिलीप मेवाड़ा, सद्दाम मकरानी, अनीश मकरानी, रफीक भाटी, ममता बोहरा ने भी मकरानी का साफा और माला पहनाकर मुंह मीठा करा कर स्वागत किया।

हजरत ताजुशाह तकिया में सालाना उर्स अकीदत के साथ सम्पन्न, कुल की रस्म अदा की गई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर हजरत बाबा ताजुशाह तकिया चूरु में सालाना उर्स के मौके पर हजारों की संख्या में जायरीनों ने अकीदत के साथ उर्स के अवसर पर शिरकत करते हुए फूल मालाएं और चादर चढ़ाकर दुआएं की। तकिया ताजूशाह कमेटी के अध्यक्ष हाजी गुलाम जिलानी दूल्लेखानी, खजांची आमीन खान, भंवरु खान दौलत खानी, नवाब खान हाथी खानी, हनीफ खान, आवेश खान, मुस्ताक खान, बाबू खान फतेहखानी, पीर मोहम्मद खान, निजाम खान, अल्ताफ खान, भंवरु खान, इस्लाम बाबू पठान, मुस्लिम खिलजी, सोहेल अली कलाल, सिकंदर खान, आदि ने अपनी सेवाएं दी। एवं आने वाले जायरिनों के लिए व्यवस्थाएं की। मोहल्ला काजीयान से चादर आई जीसमें बड़ी संख्या मैं महिलाओं - पुरुषों ने भाग लिया और चादर चढ़ाई। हजरत बाबा ताजुशाह रहमतुल्ला आल्ह का सालाना उर्स पर दिन में कुरान खानी व फातिहा ओर जिक्र-ए-इल्लाहि होता रहता है। रात्रि को देर रात तक मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ। मगरिब के बाद सभी आने वाले हजरात एवं जायरीनों के लिए लंगर में खाना रहा। हर वर्ष की भांति उर्स में दिन भर चादर चढ़ाने वाले और जायरिनों का आना-जाना लगा रहा और अकीदत के साथ अपनी मन्नतें भी मांगते नजर आए। यह मजार चूरू शहर की बसावट से पहले की बताई जाती है। लगभग चार सो वर्ष से भी पुरानी यह दरगाह काफी पुरानी होने के साथ-साथ चमत्कारी भी है। इससे जुड़े हुए कई कहानी और किसे बुजुर्गों की जुबानी सुने जाते हैं। हजरत ताजुशाह तकिया कमेटी की तरफ से उर्स को लेकर सारी व्यवस्थाओ को आने वाले जायरीनों ने सहराया। जिसमें डॉ. जाकिर झारीयावाला, मोहम्मद अली पठान, महबूब खान नसवान, वसीम अली भाटी, डॉ. अख्तर खान आदि मस्जिद इमाम मौलाना अब्दुल ने अमन चैन और भाईचारे के लिए दुआएं की। और कुल की रस्म के साथ उर्स संपन्न हुआ।



महंगाई, पेट्रोल-डीजल, गैस कीमतों और नीट पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के आदेशानुसार तथा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के निर्देशानुसार चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा मंहगाई, पेट्रोल-डीजल व गैस की बढती दरों, बिजली-पानी की समस्या तथा नीट परीक्षा पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों पर कार्यवाही हेतु उपखण्ड अधिकारी महोदय को ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में आम जनता लगातार बढती महंगाई, पेट्रोल-डीजल व गैस की कीमतों में वृद्वि, बिजली एवं पानी समस्याओं से अत्यंत परेशान है। महंगाई, पेट्रोल-डीजल व गैस की बढती किमतों का सीधा प्रभाव आम नागरिक, किसान, मजदुर, विधार्थी एवं मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड रहा है। जीवन यापन की लागत लगातार बढती जा रही है, जिससे आमजन का आर्थिक संतुलन बिगड रहा है। इसके अतिरिक्त चूरू विधानसभा क्षेत्र में बिजली एवं पेयजल की समस्याएं भी गंभीर रूप धारण कर चुकी है। कई स्थानों पर अनियमित विधुत आपूर्ति, बार-बार बिजली कटौती तथा पेयजल की कमी के कारण लोगो को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। गर्मी के मौसम मे यह समस्या और भी विकराल हो जाती है, जिससे आमजन का दैनिक जीवन प्रभावित होता है। साथ ही नीट परीक्षा पेपर लीक जैसी घटनाओं ने देश के लाखों विधार्थियों और उनके अभिभावकों की भावनाओं को आहत किया है। ऐसी घटनाएं



शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में निष्पक्षता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है ताकि मेहनत करने वाले विधार्थियों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का अन्याय न हो। ज्ञापन के माध्यम से चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा मंहगाई, पेट्रोल-डीजल व गैस की बढती कीमतों को नियंत्रित करने, क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति एवं पर्याप्त पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने, नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर दोषियों के विरूद्व कठोर कार्यवाही करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। कांग्रेस कार्यकताओं ने उपखण्ड कार्यालय पर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पीसीसी उपाध्यक्ष रियाजत खान, चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, निवर्तमान सभापति पायल सैनी, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, किसान नेता आदूराम न्यौल, मो. हुसैन निर्बाण, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति, रमजान खां, हर्ष लाम्बा, अबरार खां, नारायण बालाण, शिवकुमार शर्मा, सुभाष राबिया, गणेश लाटा, असलम खां रतननगर, कृष्ण सुण्डा, बाबू मंत्री, अंजनी शर्मा, बाली बाई, रामचन्द्र सुण्डा, सुरेश शर्मा एईएन, कुरडाराम भाकर, हमीद खान रिसालदार, अली मो. भाटी, अनिस खान, चंदनमल मेघवाल, सोहनलाल मेघवाल, बजरंग बजाड, जयचंद मेघवाल, इस्माईल भाटी, विधाधर मेघवाल, शंकर चंदेलिया, ओमप्रकाश बाकोलिया, असलम खां मोयल, समीउल्लाह गौरी, अजीज खां, आबिद खान, योगेश ढाका, जाफर खां, शेरखां मलखाण, मोहनलाल टेलर, सोयल खां डीके, श्रवण बसेर, तोफिक खान, ईस्लाम खान, सलीम पीए, नौमान सयैद, शाहरूख खान, सिराज खां जोईया, काजी अब्बास, निरज शर्मा, सलीम तेगा, तोफिक खां एनएसयूआई, सबीर खां, नवाब खां, अजय दाधिच, राजेश खिचड, मुस्ताक पिथिसर, जंगशेर खां, संजय भाटी, जोगेन्द्र सिंह, युनस खां जोजो सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद उपस्थित रहे।

ब्रीफ खबरें

बादशाह कॉलोनी में पानी की किल्लत पर महिलाओं का प्रदर्शन

-मटके फोड़ जलदाय विभाग घेरा



चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर के वार्ड नं 4 स्तिथ बादशाह कॉलोनी व तुगलक कॉलोनी में पिछले दिनों से लगातार हो रही पेयजल समस्या को लेकर वार्ड वासियो ने युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान के नेतृत्व में PHED कार्यालय का घेराव कर विरोध दर्ज करवाया। जिलाध्यक्ष आसिफ खान ने बताया की लगातार विभाग को शिकायत करने पर भी अधिकारियों की लापरवाही के चलते मोहल्लेवासियों के साथ पानी के मटके लेकर PHED कार्यलय का घेराव किया व अधिकारियों के सामने उचित आश्वासन ना मिलते तक धरने पर बैठ नारेबाजी कर विरोध दर्ज करवाया गया। जिसमें काफी संख्या में महिलाओं ने भी मटके फोड़े। इस दौरान नानू खाँ, मौसिम खान, अनीश खान, आदिल बेहलीम, मारूफ सरकेल, समसुदीन मलनस, सरफराज खान, वसीम नाई आदि काफी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित रहे। और पानी की समस्या को लेकर नारेबाजी की।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महवा के तत्वाधान में महवा उपखंड अधिकारी कार्यालय में कांग्रेस कार्यकताओं ने रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया एवं उपखंड अधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला ने कहा कि आज बीजेपी सरकार में आमजन परेशान हैं, महंगाई ने आसमान छू लिया, नीट का पेपर लीक हो गया जिससे लाखों बच्चों का भविष्य खराब हो गया, सरकार में बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल रहा इस अवसर पर हम उपखंड अधिकारी के मार्फ़त राज्यपाल महोदय से मांग करते हैं कि सरकार महंगाई कम करे एवं आम जनता को बिजली, पानी समय पर इंतजाम करे, महवा विधानसभा प्रभारी सिद्धार्थ व्यास ने बताया कि आज चारों तरफ हाहाकार मच रहा है, जनता परेशान है अधिकारी समय पर जनता का काम नहीं



कर रहे हैं, पेट्रोल, डीजल के दाम रोज बढ़ रहे हैं आने वाले दिनों में बीजेपी सरकार को सबक सिखाना है, लाखों बेरोजगार युवक घूम रहे हैं। इस अवसर पर सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया एवं सरकार विरोधी नारे लगाए इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महवा अध्यक्ष दिनेश पाटोली, भंवर सिंह एडवोकेट, रामरूप जाटव पूर्व अध्यक्ष, विष्णु सिंह एडवोकेट, जगदीश भारद्वाज, गबरूदीन समलेटी, नन्नू नागर, नरेंद्र गुप्ता, मोहन सिंह जाटव सरपंच, भूपेंद्र गहनोली, बबलू सैनी अंछापुरा, मोहसिन कुरेशी, राम सैनी, बाबूलाल मीना सरपंच, शिवहरि अमरपुर, कल्लू ठेकड़ा, विक्रम मीना सांथा, प्रेम सिकंदरपुर, रमन भोपर, बबलू बीराना, विक्रम सिंह एडवोकेट मंडावर, खूबिराम बैरवा रामगढ़, लक्ष्मण नाहिड़ा, हुकम नावरिया, आसिफ खान, मुकेश मीना रोत, कुलदीप हड़िया, शाकिर खान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

दौसा में बढ़ते अपराधों को लेकर मनोज मीणा ने जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

शफीक अली

दौसा (रॉयल पत्रिका)। दौसा जिले में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं एवं हाल ही में सामने आए विभिन्न मामलों को लेकर युवा नेता मनोज मीणा के नेतृत्व में जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) दौसा के नाम ज्ञापन सौंपा गया। मनोज मीणा ने बताया कि ज्ञापन के दौरान दिनेश मीणा हत्या प्रकरण पर जिला कलेक्टर एवं एसपी दौसा से विस्तृत चर्चा हुई। प्रशासन द्वारा आश्वासन दिया गया कि इस मामले में नामजद 9 आरोपियों में से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है तथा शेष 4 आरोपियों को भी अगले 3 दिनों के भीतर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त लवाण क्षेत्र की घटना के संबंध में भी प्रशासन ने गंभीरता दिखाते हुए 2 दिनों के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। वहीं जगदीश मीणा प्रकरण में निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक



कार्रवाई के लिए प्रशासन द्वारा 7 दिनों का समय मांगा गया है। ज्ञापन के माध्यम से दौसा जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं, कानून-व्यवस्था की स्थिति तथा आमजन में बढ़ रही असुरक्षा की भावना को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया। साथ ही सभी मामलों में निष्पक्ष जांच, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं कठोर कार्रवाई की मांग की गई। हम आशा करते हैं कि प्रशासन अपने दिए गए आश्वासनों पर खरा उतरते हुए सभी दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगा तथा जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत कर आमजन का विश्वास कायम रखेगा। इस दौरान राकेश रानीबास, अभिषेक कौलाना, डॉ अशोक लालसोट, जीतू माल, मिनाक्षी, नीरु, शेर सिंह, हंसराज, अशोक, राहुल, अजय जारेणा, सियाराम, अशोक सहित अन्य साथी भी उपस्थित रहे।

भाजपा जिला सोशल मीडिया विभाग की नई कार्यकारिणी घोषित

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जिला सवाई माधोपुर के सोशल मीडिया विभाग की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। संगठन के निर्देशानुसार सारांश जैन को जिला सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं मेहनाज पटेल एवं भागचंद सैनी को जिला सह-संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। साथ ही जिले की विभिन्न विधानसभा एवं मंडल स्तर की सोशल मीडिया कार्यकारिणियों की भी घोषणा की गई है। यह नियुक्तियां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक हीरेंद्र कौशिक तथा भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार की गई हैं। नई कार्यकारिणी का गठन संगठन की विचारधारा, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा पार्टी की गतिविधियों को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है। सोशल मीडिया के क्षेत्र में



सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को संगठन को डिजिटल रूप से और अधिक सशक्त बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम संगठन की नीतियों, कार्यक्रमों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया वर्तमान समय में संगठन और जनता के बीच संवाद का एक प्रभावी माध्यम है तथा इसके माध्यम से भाजपा की विचारधारा और जनहितकारी कार्यों को व्यापक स्तर पर पहुंचाया जा सकता है।

राजस्थान पुलिस महानिदेशक जयपुर के नाम दिया चुरु पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन



चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान द्वारा जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं राजस्थान पुलिस महानिदेशक जयपुर के नाम से ज्ञापन दिया गया और विरोध प्रदर्शन किया गया। ज्ञात रहे गत 25 मई को सहकारिता मंत्री गोतम दक द्वारा किये गये अपराधिक कृत्य एवं मंत्री पद की ली गई शपथ का उल्लंघन किये जाने बाबत। जिला चितौडगढ के डूंगला थाने के कर्तव्य पालन करने वाले थानाधिकारी एवं पुलिस कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार, गाली गलोच, अमर्यादित और अशलील भाषा से अपमानित किया जाना बेहद आपतिजनक और अधिनायकवादी कार्यवाही है। सवैधानिक पद पर रहकर मंत्री द्वारा इस प्रकार की घटना किये जाने से प्रदेश के कर्मचारियों, पेशनर्स तथा आमजन मे भयंकर रोष व्याप्त है। एसे अपराधिक कृत्य किये जाने के सम्बन्ध मे उनके विरूद्ध दर्ज मुकदमा नम्बर 76/2026 थाना डूंगला का अनुसंधान शीघ्र पूर्ण कर विधि सम्मत कार्यवाही 15 दिवस के भीतर-किये जाने की कृपा करे ताकि मंत्री महोदय के उक्त कृत्य से आमजन के व्याप्त रोष समाप्त होकर सरकार के प्रति आमजनम मे सकारात्मक संदेश जा सके। ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष गोवर्धन दास, सरक्षक अंतर सिंह श्योराण, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब खान, सचिव राधेश्याम मेघवाल, कोषाध्यक्ष बीरबल राम आदि काफी संख्या में पुलिस कल्याण संस्थान के सदस्य उपस्थित रहे।

सम्मान आपके द्वार में पेंटर योगेश सोनी का किया अभिनंदन

-शिक्षक दंपति अमर सिंह किशनावत और मनीषा चारण इस कार्यक्रम के तहत अब तक 200 प्रतिभाओं का कर चुके हैं सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। शिक्षक दंपति अमर सिंह किशनावत और मनीषा चारण के सौजन्य से आयोजित सम्मान आपके द्वार कार्यक्रम के तहत पेंटर योगेश सोनी का अभिनंदन किया गया। यहां सोनी के प्रतिष्ठान में हुए सादा समारोह में अभिनेता शिव सिंह चौहान, आयोजक अमर सिंह किशनावत और फिल्म निर्माता निर्देशक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने माल्यार्पण करके, शॉल ओढ़ाकर, मैडल पहनाकर, प्रतीक चिन्ह और कलम भेंट करके योगेश सोनी का सम्मान किया गया। आयोजक मनीषा चारण ने बताया कि सम्मान आपके द्वार कार्यक्रम वर्ष 2020 से सतत रूप से चल रहा है।



चारण ने बताया कि अब तक इस कार्यक्रम के तहत पत्रकार शिव नंदन शर्मा, पत्रकार, कवि एवं अभिनेता आशीष गौतम आशु, डॉक्टर ओमवीर सिंह, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कलाकार चौथ मल जांगिड़, समाज सेवी देवेन्द्र जोशी, राजकीय विधि महाविद्यालय चूरू के प्राचार्य डॉक्टर एस के सैनी, खेल अधिकारी ईश्वर सिंह लाम्बा, प्रधानाचार्य गिरधारी स्वामी, प्राचार्य डॉक्टर जेबी खान, अभिनेता नागेन्द्र सिंह शेखावत और अफ़ज़ल हसन गोरी, पोस्टर डिज़ाइनर दिनेश कुमार सैनी, छात्रा किरण चारण सहित 200 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया जा चुका है। शिक्षक दंपति अमर सिंह किशनावत और मनीषा चारण ने विभिन्न सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर हजारों पौधे लगा दिए हैं। इनके द्वारा दिए जा रहे इस पर्यावरण संरक्षण के संदेश की सभी द्वारा सराहना की जा रही है। मनीषा चारण ने बताया कि यह कार्यक्रम लगातार जारी रहेगा। चारण ने बताया कि आगामी कड़ी में पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद अली पठान का 4 जून गुरुवार को सम्मान किया जाएगा।

महवा जिला अस्पताल में मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की बैठक आयोजित

-विधायक राजेंद्र मीना ने दिए आवश्यक निर्देश



शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा जिला अस्पताल में आयोजित मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी (एमआरएस) की बैठक में विधायक राजेंद्र मीना ने सहभागिता करते हुए अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की तथा उन्हें अधिक प्रभावी, सुगम और जनहितकारी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक के दौरान मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने, अस्पताल में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक ने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और अस्पताल प्रशासन को मरीजों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करना चाहिए। उन्होंने अस्पताल में आने वाले मरीजों को समय पर उपचार, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता एवं बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत एवं पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दौसा सीताराम मीना, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी रामसिंह मीना, चिकित्सकगण एवं अस्पताल प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

राजस्थान नायक समाज चूरू के प्रतिनिधि मंडल जिला कलेक्टर को 4 सूत्री मांग पत्र ज्ञापन दिया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान नायक समाज संयुक्त समिति, जिला चूरू के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक के नेतृत्व में जिला कलेक्टर चूरू को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम 4 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपा।

प्रमुख मांगें:

1. ST प्रमाण पत्र: नायक जाति को अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र जारी हो। ई-पोर्टल पर "नायक" को "नायका" लिखे जाने की त्रुटि तत्काल सुधारी जाए।

2. नायक कल्याण बोर्ड: समाज के सर्वांगीण विकास हेतु राज्य स्तरीय बोर्ड का गठन किया जाए।

3. छात्रावास हेतु भूमि: चूरू जिला मुख्यालय पर छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क भूमि आवंटित हो।

4. संवैधानिक अधिकार: 1931 की जनगणना के आधार पर नायक समाज को ST का अधिकार दिया जाए।

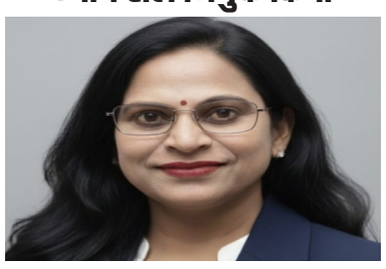
जिलाध्यक्ष रामेश्वर नायक ने बताया कि समिति ने CM से मिलने के लिए 7 सदस्यीय शिष्टमंडल हेतु समय मांगा है। "हम विरोध के लिए नहीं, संवाद और समाधान के लिए मिलना चाहते हैं। नायक समाज ने 'परिंडा लगाओ-जीवन बचाओ' अभियान के तहत 200+ परिंडे व 20 हौद लगाए हैं, जिसकी खबर 30 मई को रॉयल पत्रिका में छपी



है। अबू हम 'चूरू सिस्टम मॉडल' - नशा मुक्ति + शिक्षा + ST अधिकार की 12 सूत्रीय कार्ययोजना लेकर मुख्यमंत्री से मांगा समय।"

नायक ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समय नहीं दिया गया तो समाज को जयपुर में शांति पूर्वक प्रदर्शन का मार्ग अपनाना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेवारी शासन की होगी। 8 जून को "चूरू संकल्प सम्मेलन": नायक ने बताया कि 8 जून 2026 को चूरू में जिला स्तरीय सम्मेलन होगा, जिसमें ST अधिकार, कल्याण बोर्ड व छात्रावास की मांग पर बड़ा निर्णय लिया जाएगा। सम्मेलन में 5000+ समाजबंधुओं के जुटने की संभावना है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष भंवरलाल नायक, कोषाध्यक्ष सतपाल नायक, वरिष्ठ संरक्षक डॉ. बी.एल. नायक सहित प्रतिनिधिमंडल के सदस्य उपस्थित रहे। ज्ञापन की प्रतिलिपि विधायक हरलाल सहारण, TAD विभाग उदयपुर व सामाजिक न्याय विभाग जयपुर को भी भेजी गई है।

ललिता जेदिया को राजस्थान महिला प्रदेश अध्यक्ष सामाजिक न्याय सेल नियुक्त किया



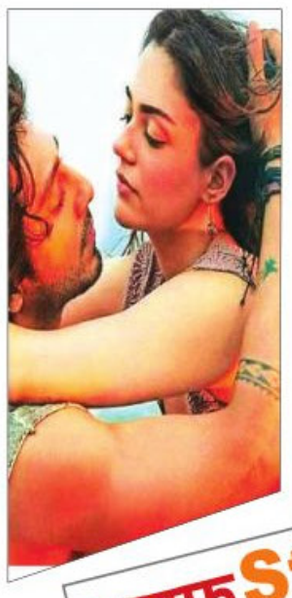
चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष विश्व मानवाधिकार अनुसंधान परिषद् सामाजिक न्याय सेल श्रीमती ललिता जेदिया को राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष (महिला) सामाजिक न्याय सेल। नियुक्त किया गया है। विश्व मानवाधिकार अनुसंधान परिषद् सामाजिक न्याय प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक योगी द्वारा ललिता जेदिया को प्रदेश अध्यक्ष सामाजिक न्याय प्रकोष्ठ नियुक्त किया गया है। जेदिया को मानवाधिकार संरक्षण, संगठनात्मक समन्वय एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता एवं कार्य क्षमता को देखते हुए यह दायित्व सौंपा गया है। जेदिया राजस्थान के चुरु जिला की सरदारशहर तहसील में अध्यापिका पद पर कार्यरत है। रॉयल विकलांग विकास संस्था (तहसील अध्यक्ष), जिला आत्मरक्षा प्रशिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, महिला सशक्तिकरण एस सी महिला शिक्षा पर कार्य करते हुए कई अवार्ड से इनको नवाजा गया है। भारतीय गौरवान्वित महिला अवॉर्ड 2013, दिव्यांग मित्र (सक्षम) 2024, अखिल भारतीय साहित्य एकेडमी जयपुर, शिक्षा विभाग चुरु मंडल, अंतरराष्ट्रीय नारी रत्न 2026 नई दिल्ली द्वारा अवार्ड प्राप्त है। जेदिया की नियुक्ति पर अनेक सामाजिक, शैक्षिक, संस्थाओं, क्षेत्रवासियों ने बधाइयां दी।

वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026 के तहत झाम्बर में जल संरक्षण कार्यक्रम

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत मंगलवार को जल योजना 5 एस.एस.डब्ल्यू., झाम्बर में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जल योजना की डिग्गियों पर जल पूजन से हुई। इसके बाद मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओ.पी. विश्नोई ने उपस्थित ग्रामीणों एवं अधिकारियों को जल संरक्षण, जल के सदुपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने वर्षा जल संग्रहण, जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखने एवं प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि जल की प्रत्येक बूंद अमूल्य है और



इसके संरक्षण में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान जल योजना परिसर में स्वच्छता एवं साफ-सफाई के लिए श्रमदान किया गया। अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के संकल्प को दोहराया गया।



सैयारा की जोड़ी लेकर आ रही है नई रोमांटिक फिल्म

मुंबई। साल 2025 में रिलीज हुई फिल्म सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया था। इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा नजर आए थे। दोनों की जोड़ी यूथ में सेंसेशन बन गई थी। अब ये जोड़ी एक बार फिर मोहित सूरी के ही डायरेक्शन में बनने वाली अगली फिल्म में साथ दिखेंगे। एक रिपोर्ट में ये जानकारी दी है कि मोहित सूरी फिल्म सैयारा के बाद एक और फ्रेश रोमांटिक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में एक बार फिर अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी नजर आने वाली है। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने की खबर है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस साल के अंत तक यानी अक्टूबर-नवंबर तक ये फिल्म रिलीज के लिए तैयार होगी।

लाइफ Style

तृषा

फैमिली ड्रामा की भी हैं क्वीन

साउथ फिल्मों की स्टार तृष्णा कृष्णन सिर्फ रोमांटिक किरदारों के लिए ही नहीं, बल्कि फैमिली ड्रामा फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। इन फिल्मों में उन्होंने दमदार किरदारों से लोगों को अपना दीवाना बना दिया था। इन फिल्मों को आप ओटीटी पर देख सकते हैं।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

साउथ की जानी मानी एक्ट्रेस तृषा कृष्णन ने अपने कॅरियर में हर तरह के रोल निभाए हैं। लेकिन, अगर आप सोच रहे हैं कि वह सिर्फ रोमांटिक फिल्मों में ही नजर आई हैं, तो ऐसा नहीं है, वह अब तक कई फैमिली ड्रामा फिल्मों में भी नजर आ चुकी है। साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस तृषा को रोमांटिक फिल्मों के लिए खूब पसंद किया जाता है। इन फिल्मों में उन्होंने अपने काम से लोगों को हैरान कर दिया था। इन फिल्मों में प्यार, परिवार, रिश्तों की उलझनें और इमोशंस का अच्छा बैलेंस देखने को मिलता है। अगर आप तृषा की ऐसी फिल्में देखना चाहते हैं, जिनमें रोमांस के साथ-साथ फैमिली ड्रामा भी हो, तो ओटीटी पर मौजूद ये 5 फिल्में जरूर देख सकते हैं। इनमें पहली है- 96 साल 2018 में आई ये फिल्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। यह एक इमोशनल रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, फिल्म में उनका जानकी देवी का रोल में काफी पसंद किया गया था।फिल्म सिर्फ पुराने प्यार की कहानी नहीं दिखाती, बल्कि जिंदगी के फैसले, अधूरे रिश्ते और परिवार की जिम्मेदारियों को भी खूबसूरती से सामने लाती है।इस फिल्म में तृषा और विजय सेतुपति की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

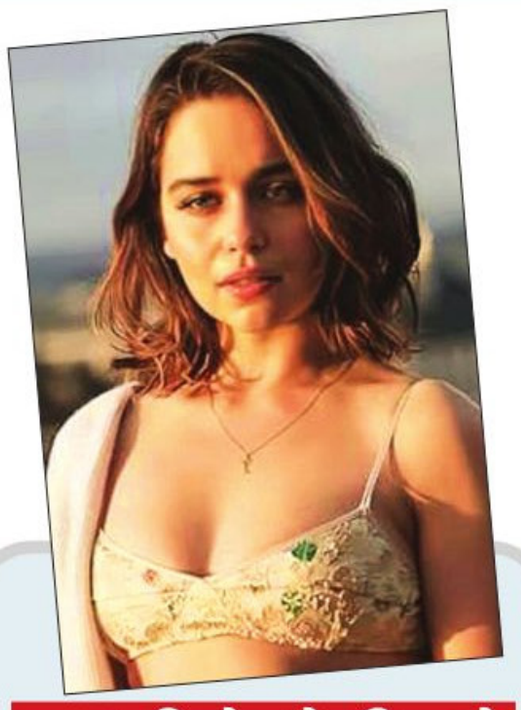


हॉलीवुड मसाला



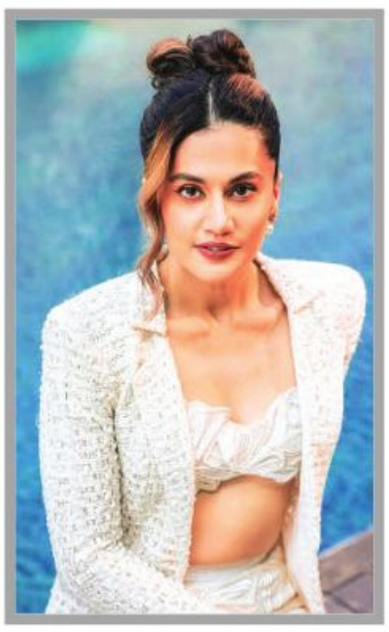
दुआ ने 6 साल बड़े एक्टर से की शादी

लॉस एंजिल्स। दुनियाभर में अपनी आवाज का जादू बिखेरने वाली 1,660 करोड़ रुपए की नेटवर्थ वाली पॉप सिंगर दुआ लीपा ने शादी कर ली है। उनके जीवनसाथी उम्र में उनसे 6 साल बड़े हैं और मनोरंजन जगत का जाना-पहचाना चेहरा हैं। करोड़ों फैंस की पसंदीदा सिंगर ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड कैलम टर्नर के साथ नई जिंदगी की शुरुआत कर ली है। दोनों के रिश्ते की खबरें काफी समय से सामने आ रही थीं और अब शादी की खबर ने फैंस की खुशी दोगुनी कर दी है। ऐसे में हर कोई उनके पति के बारे में जानना चाहता है। कैलम टर्नर ब्रिटेन के मशहूर एक्टर हैं।



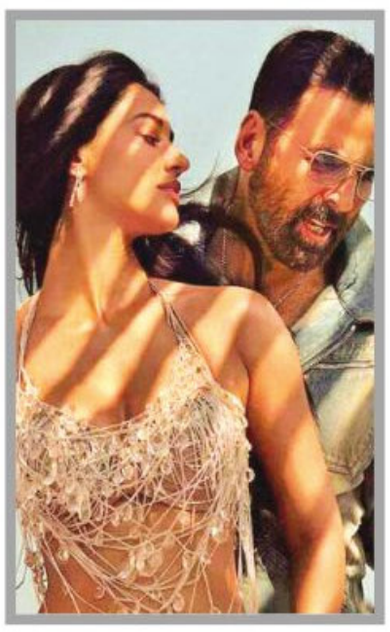
एक एपिसोड के लिए ले रही है 2 करोड़ 84 लाख!

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की सबसे पॉपुलर सीरीज में शुमार गेम ऑफ थ्रोन्स के कलाकारों की कमाई को लेकर सालों से कई तरह की चर्चाएं होती रही हैं। इस बीच कई बार यह दावा किया जाता रहा कि सीरीज के प्रमुख कलाकारों को प्रति एपिसोड करीब 3 लाख डॉलर (लगभग 2.84 करोड़ रुपए) की फीस दी जाती थी। अब इस मामले पर एक्ट्रेस एमिलिया क्लार्क ने खुद चुप्पी तोड़ी है। एमिलिया क्लार्क के मुताबिक, सीरीज के कलाकारों की कमाई बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई है। एमिलिया ने सीरीज में डेनेरिस टार्गेरियन यानी 'मदर ऑफ ड्रैगन्स' का किरदार निभाया था। एक इंटरव्यू के दौरान एमिलिया क्लार्क से उनकी प्रति एपिसोड फीस को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने हंसते हुए कहा कि उन्हें इतनी बड़ी रकम नहीं मिलती थी।



परफेक्ट फिगर पाने की ज्यादा कसरत...

मुंबई। तापसी पन्नू अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी बॉडी इमेज से जुड़ी मुश्किलों के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने स्लिम-फिट दिखने के लिए बहुत मेहनत की। इस कोशिश में उन्होंने अपने आपको परेशान किया। उन्होंने अपनी जिंदगी के उस दौर को याद किया जब उन्हें एक खास तरह का दिखने का बहुत ज्यादा दबाव महसूस होता था। तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया 'मुझे याद है कि मुझे सपाट पेट पाने का जुनून था, क्योंकि बड़े होते समय मैं बहुत ज्यादा फिट थी, लेकिन मुझे कभी समझ नहीं आया कि पेट के निचले हिस्से की चर्बी हमेशा क्यों बनी रहती थी। इसे कम करने के लिए मैंने इतनी ज्यादा कसरत की कि मैंने खुद को हद से ज्यादा थका दिया।



अक्षय-दिशा का गाना ऊंचा लंबा ... रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में 2007 की हिट फिल्म 'वेलकम' के क्लासिक गाने 'ऊंचा लंबा कद' का जादू फिर से बिखेरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दिशा पाटनी के साथ अक्षय कुमार ने 'ऊंचा लंबा कद' गाना फिर से रिलीज कर दिया है और नए गाने में चार्म तो बहुत है, लेकिन रिलीज होते ही फैंस मायूस हो गए। इससे पहले, अक्षरा सिंह के साथ ठुमके लगाकर छाने वाले अक्षय को अब नफरत मिल रही है कि उन्होंने दिशा पाटनी को लेकर कटरीना की फिर से याद दिला दी और दिशा उस औरा को छू भी नहीं पाईं जो कटरीना का है। अक्षय कुमार और दिशा पाटनी की शानदार केमिस्ट्री, रंगीन विजुअल्स और जोशीली धुन 'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' को फिल्म के साउंडट्रैक का एक खास आकर्षण बनाती है।

टीवी मसाला



दूरदर्शन पर पहली बार टेलीकास्ट हुआ था ये कल्ट शो

नई दिल्ली। आज के दौर में लोग सिनेमाघर, ओटीटी और यूट्यूब जैसे माध्यमों से मनोरंजन का आनंद लेते हैं। लेकिन, एक वक्त ऐसा भी था, जब बात एंटरटेनमेंट की आती थी तो लोगों के लिए दूरदर्शन टीवी चैनल एकमात्र साधन हुआ करता था। महाभारत, रामायण और शक्तिमान जैसे कई कल्ट धारावाहिक दूरदर्शन की पहचान बने थे। भारतीय मनोरंजन जगत के इतिहास को खंगाला जाए तो दूरदर्शन के रूप में सबसे पुराने टीवी चैनल का नाम सामने आता है, जिसने दशकों तक लोगों को घर बैठे एंटरटेन किया। इसी आधार पर बात की जाए दूरदर्शन के सबसे पहले और पुराने टीवी सो के बारे में तो उसका नाम कृषि दर्शन था। 26 जनवरी 1967 को गणतंत्र दिवस के खास मौके पर दूरदर्शन पर कृषि दर्शन शो को पहली बार प्रसारित किया गया था। इस चैनल की पहली एंकर प्रीतिमा पुरी ने इसका आगाजा किया था। शो के नाम से ही साफ जाहिर होता है कि इसमें भारतीय किसानों को आधुनिक खेती, कृषि-तकनीक और ग्रामीण विकास की अहम जानकारी दी जाती थी। उस वक्त शोज की भरमार कम हुआ करती थी, जिसके तहत कृषि दर्शन भी भारतवासियों के लिए मनोरंजन का अहम साधन बन गया था। इतना ही नहीं कृषि प्रधान भारत देश के किसानों के लिए ये शो काफी महत्वपूर्ण साबित हुआ था, क्योंकि इसमें मौजूद एक्सपर्ट द्वारा मिलने वाली सलाहों से किसानों को खेती में काफी सहायता मिलती थी। दूरदर्शन टीवी चैनल के सबसे अधिक लंबे चलने वाले धारावाहिक के तौर पर भी कृषि दर्शन को याद किया जाता है। इस शो के अब तक 62 सीजन टेलीकास्ट हो चुके हैं, जिनमें 16 हजार 780 एपिसोड मौजूद हैं।

मुझे पटक-पटक कर मारा : रूपा

नई दिल्ली। बीआर चोपड़ा की पॉपुलर टेलीविजन सीरीज महाभारत को आज भी फैंस से उतना ही प्यार मिलता है जितना की सालों पहले दिया जाता था। इसके किरदार भी खूब फेमस हुए। उन्हीं में से एक हैं द्रौपदी की भूमिका निभा चुकी एक्ट्रेस रूपा गांगुली। महाभारत की बात जब भी आती है तो द्रौपदी के चीर हरण की चर्चा हमेशा होती है। लेकिन, क्या आपको पता है कि आज से 10 साल पहले रूपा गांगुली के साथ बिल्कुल चीर हरण जैसा हादसा हुआ था? जी, हां एक्ट्रेस पर जानलेवा हमला हुआ था जिसे याद कर उनका मन अब भी सिहर जाता है। रूपा गांगुली ने ट्विटर पर इस घटना का जिक्र किया था। द्रौपदी के चीर हरण वाला वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'मुझे कुछ दिनों से याद आ रहा है, 22 मई 2016 डायमंड हार्बर की वह घटना, जब 17-18 लोगों ने पुलिस को साथ लेकर, मुझे गाड़ी से उतारकर रास्ते पर पटक-पटक कर मारा था।



मां बनने के बाद बदल जाती हैं बातें : कियारा

नई दिल्ली। अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में वह मां बनी हैं। इस बीच उन्होंने मां बनने के बाद महिलाओं को अक्सर जिन उम्मीदों का सामना करना पड़ता है, उनके बारे में बात की है। उन्होंने इस बात पर गौर किया कि कैसे महिलाओं की प्रेग्नेंसी का जश्न मनाने से हटकर लोगों का ध्यान दूसरी चीजों पर चला जाता है। मां बनने से अपनी जिंदगी में आए बदलावों के बारे में बात करते हुए, कियारा ने कहा 'यह अनुभव हर तरह से बहुत ही अच्छा है। मुझे लगता है कि जो डायरेक्टर अब मेरे साथ काम करेंगे, उन्हें मेरा सबसे बेहतरीन रूप देखने को मिलेगा। मां बनने के इस सफर ने मेरे अंदर दुनिया के प्रति मेरी समझ में एक नया पहलू खोल दिया है।' उन्होंने बताया सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब आप प्रेग्नेंट होती हैं, तो हर कोई कहता है, अरे वाह, आप कितनी ग्लो कर रही हैं, आप कितनी खूबसूरत लग रही हैं। मगर, जैसे ही आप बच्चे को जन्म देती हैं, तो बातें बदल जाती हैं। लोग कहते हैं 'अब तो मोटी लग रही है, थोड़ी ऐसी लग रही है, थोड़ी वैसी लग रही है।'



अभिनेत्री ने कहा 'जब आप प्रेग्नेंट होती हैं, तो लोग आपको देवी की तरह पूजते हैं, लेकिन जैसे ही आप बच्चे को जन्म देती हैं, वे उम्मीद करने लगते हैं कि आप तुरंत ही अपनी पुरानी फिटनेस और काम पर वापस लौट आएंगी। महिलाओं के लिए सबसे मुश्किल समय बच्चे के जन्म के बाद का ही होता है। यही वह समय होता है, जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत होती है।' कियारा ने कहा 'कहा जाता है कि एक बच्चे की परवरिश के लिए पूरे गांव की जरूरत पड़ती है। इसी तरह एक मां को संभालने के लिए भी पूरे गांव की जरूरत पड़ती है।' कियारा की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' चार जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

43 साल पुरानी वो फिल्म, जिसे देख फूट-फूटकर रोए थे लोग, बच्चों को प्रॉपर्टी देने से डरने लगे थे मां-बाप

नई दिल्ली। सिनेमा समाज का आईना होता है। कुछ फिल्में महज एंटरटेनर तक ही सीमित रहती हैं, लेकिन कुछ ऑडियंस के दिलों में घर कर जाती हैं। 43 साल पहले एक ऐसी ही फिल्म आई थी जिसने मां-बाप को इस कदर सहमा दिया था कि वे अपने बच्चों को घर का मालिकाना हक देने से कतराने लगे थे। यह फिल्म जब बनी तो किसी को नहीं पता था कि इसे देखने के बाद ऑडियंस सिसक-सिसककर रोने लगेगी। आज भी अगर टीवी पर यह फिल्म आ जाए तो देखने वाले अपने आंसू नहीं रोक पाते हैं। 43 साल पहले जब यह फिल्म आई तो सिनेमाघरों से निकलने वाले हर शख्स की आंखें नम थी। इस फिल्म ने ऑडियंस पर गहरा प्रभाव छोड़ा था।



पारिवारिक फिल्म ने कर दिया था भावुक

यह फिल्म राजेश खन्ना की थी। हैंडसम हंक राजेश खन्ना सिनेमा के पहले सुपरस्टार रहे। मगर, जब उनका कॅरियर खतरे में पड़ा, तब यही फिल्म उनके डूबते नाव का सहारा बनी। जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं, वो है अवतार। अमन, अमृत अनजाना और आप आए बहार आए जैसी फिल्में बना चुके मोहन कुमार ने ही अवतार का निर्देशन और निर्माण किया था। फिल्म में राजेश खन्ना ने एक बूढ़े पिता का किरदार निभाया था। उनके साथ लीड रोल में शबाना आजमी थीं। इसके अलावा फिल्म में ए.के. हंगल, सचिन पिलगांवकर, रंजन ग्रेवाल, प्रीति सप्रू, सुजीत कुमार, गुलशन ग्रोवर समेत कलाकार अहम भूमिकाओं में थे।

बच्चे घर से कर देते हैं बेदखल

फिल्म की कहानी अवतार किशन (राजेश खन्ना) और उसकी पत्नी राधा (शबाना आजमी) की है, जिसके बच्चे उन्हें उनके ही घर से बेदखल कर देते हैं और उन्हें उनके हाल पर छोड़ देते हैं। बुढ़ापे में दर-दर भटकने के बाद दिन-रात एक करके अवतार फिर से सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है।

बॉलीवुड की दूसरी लता : ताउम्र झेला तुलना का दंश, रफी संग गाए 140 गाने

पर्वतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है, सुरमई उजाला है...

नई दिल्ली। आज की सुबह संगीत जगत के लिए एक दुखद खबर लेकर आई। संगीत के स्वर्णिम दौर की एक और आवाज आज खामोश हो गई। सुमन कल्याणपुर (89) ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। लता मंगेशकर, आशा भोसले के बाद आज सुमन कल्याणपुर ने भी दुनिया से रुखसती ले ली। वो अपने पीछे 740 गानों की बेशकीमती विरासत छोड़ गई हैं। बांग्लादेश में जन्मीं सुमन हिंदी सिनेमा को वो अध्याय हैं जो स्वर्ण अक्षरों में दर्ज जरूर है। लेकिन, आज भी कइयों ने उसे पढ़ा नहीं है। आज भी ज्यादातर लोग उनकी आवाज पहचान नहीं पाते हैं। लता मंगेशकर और उनकी आवाज में समानता इतनी रही कि उन्हें दूसरी लता कहा गया। सुरों की मल्लिका का सबसे बड़ा आशीर्वाद ही उनका 'अभिशाप' बन गया। ताउम्र वो लता मंगेशकर के साए से निकल नहीं पाईं। सुमन कल्याणपुर को ताउम्र तुलना का दंश झेलना पड़ा था। दिग्गज संगीतकारों के लिए सुमन कल्याणपुर और लता मंगेशकर की आवाज में फर्क कर पाना कभी-कभी नामुमकिन सा हो जाता था। सुमन कल्याणपुर ने उस दौर में अपनी जगह बनाई, जब हिंदी सिनेमा में पहले से ही कई दिग्गज आवाजें मौजूद थीं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में संगीत का सफर इस वक्त शुरू किया जब लता मंगेशकर, आशा भोसले जैसी गायिकाओं का इंडस्ट्री पर राज था। हर फिल्ममेकर और संगीतकार लता मंगेशकर के साथ काम करने की ख्वाहिश रखता था, ऐसे में उस दौर में किसी भी गायिका के लिए अपनी जगह बनाना किसी चुनौती से कम नहीं था।

लता से हूबहू मिलती थी आवाज

लता मंगेशकर और सुमन कल्याणपुर की आवाज में फर्क कर पाना लगभग असंभव सा है। 1960 और 1970 के दशक में लता और सुमन के बीच की तुलना चरम पर थी। जब कई बड़े संगीतकार और निर्माता लता मंगेशकर संग काम नहीं कर पाते थे, तो वो सुमन कल्याणपुर का दरवाजा खटखटाने पहुंच जाते थे। उन्हें ज्यादातर गाने तभी मिलते जब स्वरकोकिला किसी कारणवश उन्हें मना कर देती थीं।

स्वरकोकिला को मानती थीं दोस्त

अब ताउम्र जिससे तुलना हो उस शख्स को नापसंद करना लाजमी है, लेकिन शायद उस स्वर्णिम दौर की ये ही खासियत थी कि हर कलाकार दूसरे कलाकार और उसकी कला की पूरी इज्जत करता था। साल 2022 में पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में सुमन ने लता दीदी को अपनी सबसे करीबी दोस्तों में से एक बताया था। उन्होंने स्वीकार किया था कि वो खुद भी लता मंगेशकर की आवाज की मुरीद थीं। दोनों ने साथ में फिल्म चांद के लिए एक डुएट रिकॉर्ड किया था। उस फिल्म के गाने पर साथ काम करने का अपना अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा था कि वो और लता जी सहेलियां थीं।

रफी संग हिट थी जोड़ी : आज कल तेरे मेरे प्यार के चर्चे, ना ना करते प्यार तुम्हीं से, तुमने पुकारा और हम चले आए, पर्वतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है, दिल एक मंदिर है, ठहरिए होश में आ लूं मोहम्मद रफी के साथ उनके सुपरहिट गाने थे जो आजतक लोगों की जुबां पर चढ़े हुए हैं। दशकों बाद भी इन एवरग्रीन गानों का खुमार कम नहीं हुआ है।

पढ़ाई, शादी और बच्चे

मुंबई के सेंट कोलंबस स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद, सुमन ने चित्रकला की पढ़ाई की और सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट में दाखिला लिया। हालांकि, जल्द ही संगीत ही उनका जुनून बन गया। उन्होंने पंडित केशवराव भोले, उस्ताद खान अब्दुल रहमान खान और उस्ताद नवरंग जैसे प्रख्यात गुरुओं से ट्रेनिंग ली, जिसने उनके करियर की नींव रखी। सुमन ने 1958 में बिजनेसमैन रामानंद कल्याणपुर से शादी की। उनके परिवार में उनकी बेटी चारू अग्निहैं।

इन भाषाओं में भी बिखेरा आवाज का जादू

कोकिला जैसी मीठी आवाज और सुरों की धनी सुमन कल्याणपुर को दूसरी लता कहा जाने लगा था। कॅरियर में 740 गाने को आवाज देने वाली दिवंगत सिंगर ने हिंदी के साथ ही कई भाषाओं में अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेरा था। उन्होंने बंगाली, मराठी, असमी, कन्नड़ और ओड़िया भाषाओं में भी अपने संगीत के सफर को जारी रखा था। 28 जनवरी, 1937 को अविभाजित भारत के ढाका में जन्मीं सुमन कल्याणपुर हिंदी और मराठी सिनेमा की सबसे प्रसिद्ध सिंगर्स में से एक बनीं। फिल्मी संगीत के अलावा, उनके भजन, गजल, मराठी अभंग और भावगीत भी गाए, जो एक कलाकार के रूप में उनकी पहचान बनी।

युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी, नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए करती है प्रेरित : कोहली

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक लगाने और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरी ट्रॉफी दिलाने के बाद कहा कि टी20 प्रारुप में अपने खेल को नया रूप देने के लिए उन्हें अपनी सोच में बदलाव करना पड़ा और इस बीच युवा खिलाड़ियों ने भी उन्हें प्रेरित किया। कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान के खिलाफ शानदार छक्का लगाकर टीम को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाया।

कोहली ने 42 गेंद में 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने पुरस्कार समारोह में कहा, ' यह वही पल है, जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की। बल्लेबाजी के लिए उतरते समय मैं पूरी तरह सहज था।' कोहली ने कहा, 'मुझे पता था कि रन-चेज में क्या करना है। युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी आपको लगातार अपने खेल में सुधार करने और नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती है।'

पूरे टूर्नामेंट में रहा हमारा दबदबा : पाटीदार

अहमदाबाद। आरसीबी ने आईपीएल में अपना दूसरा खिताब उस दिन जीता जब कप्तान रजत पाटीदार अपना 33वां जन्मदिन मना रहे थे, लेकिन इस सुखद संयोग से भी कहीं अधिक वह प्रतियोगिता में अपनी टीम के शुरू से अंत तक के दबदबे से खुश थे। पाटीदार ने कहा, ' ईमानदारी से कहूं तो पिछले साल बहुत दबाव था। इस साल टूर्नामेंट में हमारे प्रदर्शन की वजह से माहौल काफी शांत रहा। मुझे लगता है कि हमने न सिर्फ अच्छा खेल दिखाया, बल्कि इस साल हमने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा।' उन्होंने कहा, ''हमें पूरा भरोसा था कि अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हम निश्चित रूप से दूसरा खिताब जीतने में सफल रहेंगे।' पाटीदार ने इसके साथ ही अन्य टीम को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी टीम लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी।



विजय जुलूस नहीं निकालेगा आरसीबी

अहमदाबाद। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए आरसीबी ने आईपीएल में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। आरसीबी के एक सूत्र ने कहा, 'बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा।' इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने कहा, 'हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।'

आरसीबी के प्रशंसकों ने पूरी रात मनाया जश्न

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के उत्साही प्रशंसकों ने अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में अपनी टीम की लगातार दूसरी खिताबी जीत का संयमित होकर पूरी रात जश्न मनाया और स्थानीय पुलिस ने भी यह सुनिश्चित किया कि 'विजय उत्सव' बेकाबू न हो जाए। पिछले साल खिताब जीतने के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। उसे घटना को ध्यान में रखते हुए बेंगलुरु पुलिस ने शहर के उन प्रमुख इलाकों में गश्त की, जहां रविवार रात मोटेरा में गुजरात टाइटन्स पर आरसीबी की शानदार जीत के बाद प्रशंसक जमा हुए थे। पुलिस की घेराबंदी के बावजूद लोगों ने पूरी रात जश्न मनाया लेकिन इस बार किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं घटी। विजय उत्सव में शामिल एक प्रशंसक ने कहा, ' हमें खुशी है कि आरसीबी ने लगातार दो खिताब जीते हैं, लेकिन फाइनल एकतरफा रहा। हमें उम्मीद थी कि गुजरात टाइटंस कड़ी चुनौती पेश करेगा। दिल्ली से आए एक प्रशंसक ने कहा, 'मैं विराट कोहली का प्रशंसक हूं और इसीलिए मैं आरसीबी का समर्थन करता हूं। मुझे खुशी है कि आज रात दोनों ने अच्छा प्रदर्शन किया।' बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी की जीत की संभावना को देखते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर के मुख्य क्षेत्रों के आसपास गश्त शुरू कर दी थी।

खबर संक्षेप



पीएम मोदी ने 19 पदक जीतने पर भारतीय टीम को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण पदकों सहित 19 पदक जीतने वाले भारतीय टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह शानदार प्रदर्शन खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता को दर्शाता है। भारत ने हांगकांग में आयोजित की गई चार दिवसीय प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य सहित कुल 19 पदक जीतकर चीन (14 स्वर्ण, नौ रजत, दो कांस्य) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण पदकों सहित 19 पदक जीतने के लिए भारतीय टीम को हार्दिक बधाई। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन भारत के युवा एथलीटों के दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता को दर्शाता है।

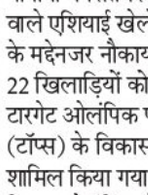
टॉप्स विकास समूह में 22 नौकायन खिलाड़ी शामिल



नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के मद्देनजर नौकायन (रोइंग) के 22 खिलाड़ियों को सोमवार को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के विकास समूह में शामिल किया गया। यह फैसला मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की 174वीं बैठक में लिया गया। भारतीय नौकायन संघ (आरएफआई) की ओर से वार्षिक राष्ट्रीय चयन ट्रायल और विभिन्न नौकाओं के लिए दलों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद खिलाड़ियों की सूची जारी की गई। विकास समूह में शामिल प्रमुख खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक 2024 में हिस्सा लेने वाले बलराज पंवार, 2022 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता अरविंद सिंह और दो पदक जीत चुके जसविंदर सिंह शामिल हैं। कुल 22 खिलाड़ियों को छह विभिन्न नौका वर्गों में टॉप्स विकास समूह में शामिल किया गया है।

आईजीपीएल राइजिंग स्टार्स संयुक्त 12वें स्थान पर कार्तिक

अल जदीदा। भारत के उभरते हुए गोल्फर कार्तिक सिंह ने आईजीपीएल मोरक्को राइजिंग स्टार्स 2026 के अंतिम दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर संयुक्त 12वां स्थान हासिल किया। आखिरी नौ होल में एक डबल बोगी और एक बोगी करने के बावजूद कार्तिक का प्रदर्शन सराहनीय रहा। इस बीच थाईलैंड के तानापत पिचैकूल ने बांग्लादेश के अनुभवी खिलाड़ी सिद्दीकुर रहमान को दो शॉट से हराकर खिताब जीता। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने तीसरे दौर में आठ अंडर 64 के स्कोर के बाद दो शॉट की बढ़त बना ली थी। उन्होंने अंतिम दौर में दो अंडर 70 का स्कोर बनाकर अपनी बढ़त को बरकरार रखा। उन्होंने कुल 9 अंडर का स्कोर बनाया।



आईपीएल 2026 समीक्षा : टाइटन्स ने अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में बनाई पहचान

आरसीबी और गुजरात का शानदार सफर एमआई-एलएसजी को करना होगा मंथन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक और बेहद सफल सत्र में शानदार प्रदर्शन किया, गुजरात टाइटन्स ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी निरंतरता बनाए रखी लेकिन आईपीएल की बड़ी टीम मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 2026 सत्र के खत्म होने से पहले ही अगले सत्र के लिए बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी। टी20 क्रिकेट में कोई भी टीम किसी को भी हरा सकती है और लीग की प्रकृति में यह बात साफ दिखी क्योंकि प्लेऑफ में जगह बनाने वाली टीम का फैसला लीग चरण के आखिरी दिन हुआ। आरसीबी, गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद लीग चरण के आखिरी दिन से पहले ही क्वालीफाई कर चुकी थीं, लेकिन राजस्थान रॉयल्स 24 मई को मुंबई इंडियंस को हराकर चौथी टीम के तौर पर प्लेऑफ में शामिल हो गई, जिसने आखिरी दिन पंजाब किंग्स को बाहर कर दिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

18 साल से आईपीएल खिताब का इंतजार कर रही इस फ्रेंचाइजी ने पिछले सत्र में अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद अब जीत को अपनी आदत बना लिया है। एंडी फ्लावर और मो बोबाट के नेतृत्व वाले 'थिंक टैंक' ने एक ऐसी चैंपियन टीम तैयार की है, जो मैदान पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। विराट कोहली अपने करियर के इस पड़ाव पर भी युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने के लिए लगातार अपने खेल में नए प्रयोग कर रहे हैं।

गुजरात टाइटन्स

टाइटन्स ने अपने छोटे से आईपीएल इतिहास में सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने पांच सत्र में तीन बार फाइनल में जगह बनाई है, जिसमें अपने पहले ही सत्र में खिताब जीतना भी शामिल है। शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर ने लगातार रन बनाए। अगर कभी ये खिलाड़ी नाकाम रहे तो मध्यक्रम उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका, जिससे इसी विभाग को वह अगली नीलामी में मजबूत करना चाहेगी।

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस की कप्तानी वाली इस टीम ने धीमी शुरुआत के बाद इस सत्र में ज्यादा कुछ गलत नहीं किया। हालांकि 'एलिमिनेटर' में वैभव सूर्यवंशी और जोफ्रा आर्चर के शानदार प्रदर्शन के आगे उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उनके लिए सकारात्मक चीज प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन जैसे तेज गेंदबाजों का उभरकर सामने आना रही।

राजस्थान रॉयल्स

कप्तान रियान पराग ने खुद यह बात स्वीकार की है कि रॉयल्स को लीग चरण के आखिरी दिन का इंतजार करने के बजाय, उससे काफी पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लेना चाहिए था। उनका अभियान काफी हद तक 15 साल के किशोर खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी पर निर्भर था जो अपने पहले पूरे सत्र में 237.30 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।

मुंबई इंडियंस

भारत के कई बड़े सितारों से सजी टीम इस सत्र में सबसे ज्यादा निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली टीम रही। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की चौकड़ी इस सत्र को भुलाना चाहेगी। रोहित शर्मा ने शीर्ष क्रम में ठीक प्रदर्शन किया, लेकिन चोट की वजह से उनका सत्र प्रभावित रहा।

लखनऊ सुपर जायंट्स

दो निराशाजनक सत्र के बाद कप्तान ऋषभ पंत के पद छोड़ने के साथ ही अगले सत्र के लिए टीम में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पहले हिस्से में टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही जबकि मोहम्मद शमी, मोहसिन खान और प्रिंस यादव की अगुवाई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

दिल्ली कैपिटल्स

लगातार दूसरे सत्र में दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल की कप्तानी में प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही। यह एक और ऐसा सत्र रहा, जिसमें केएल राहुल ने 500 से ज्यादा रन बनाए लेकिन आखिरी नतीजों के लिहाज से उन रनों की अहमियत नहीं रही। टीम के पास बल्लेबाजी में जरूरी ताकत की कमी थी। गेंदबाजी में भी जरूरी धार नहीं थी।

पंजाब किंग्स

आईपीएल के पहले हाफ में सबसे मजबूत टीम मानी जा रही पंजाब किंग्स ने दूसरे हाफ में लगातार छह मैच हारकर अपने प्लेऑफ में पहुंचने के मौकों को गंवा दिया। उनकी शानदार बल्लेबाजी ने उनकी कमजोर गेंदबाजी की भरपाई कर दी थी, लेकिन बाद में क्षेत्ररक्षण समेत तीनों ही विभागों में उनका प्रदर्शन गिर गया।

कोलकाता नाइट राइडर्स

शुरुआती छह मैच हारने के बाद भी 10 टीम में से सातवें स्थान पर रहकर केकेआर ने अच्छा प्रदर्शन किया। पूरी संभावना है कि अजिंक्य रहाणे ने आईपीएल में अपना आखिरी सत्र खेल लिया है। टीम को सभी विभागों में संघर्ष करना पड़ा और अब उसे पूरी तरह से नए सिरे से तैयार करने की जरूरत है।

चेन्नई सुपर किंग्स

पांच बार की चैंपियन टीम 2023 में खिताब जीतने के बाद से अब तक प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है। स्तुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली फ्रेंचाइजी को अब अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है।

क्रिकेट

आईसीसी ने लागू किए नए नियम टी20 में कोच की मैदान में एंट्री

लेग साइड वाइड, डे टेस्ट में पिंक बॉल पर लगी मुहर



एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने क्रिकेट नियमों से जुड़ी कुछ सिफारिशों पर मुहर लगा दी है। अहमदाबाद में बोर्ड मीटिंग के दौरान इस पर फैसला लिया गया।

इसके तहत दिन में होने वाले टेस्ट मैच में पिंक बॉल के इस्तेमाल, लेग साइड वाइड ट्रायल, अवैध बॉलिंग एक्शन पर हॉक आई डेटा के एक्सेस को मंजूरी दी गई। इससे आने वाले समय में क्रिकेट में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे। वहीं आईसीसी ने टी 20 मैच के दौरान कोच को मैदान में एंट्री का प्रावधान रखा है। आईसीसी ने बताया कि अगर खराब रोशनी के चलते खेल में रुकावट आती है तब अंपायर दोनों टीमों की सहमति से लाल गेंद की जगह पिंक बॉल से खेल को आगे बढ़ा सकते हैं।

ऐसा इसलिए किया जा रहा क्योंकि कई बार खराब रोशनी के चलते मैच में समय खराब होता है और इससे नतीजा नहीं निकल पाता है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक दांव पर होने की वजह से इस तरह के नतीजे टीमों के लिए नुकसानदेह साबित हुए हैं।

लेग साइड वाइड पर अहम फैसला

बोर्ड मीटिंग में लेग साइड वाइड पर अहम फैसला हुआ। अब अगर किसी बल्लेबाज के लेग साइड में कोई गेंद जाती है तो वह सीधे-सीधे वाइड नहीं होगी। अंपायर यह जांच करेंगे कि वह बल्लेबाज से कितनी दूर है। उसके हिसाब से ही फैसला किया जाएगा। कहा जा रहा है कि एक तय लाइन रखी जाएगी और उसके अंदर अगर गेंद रहती है तो वह वाइड नहीं होगी। लेकिन इस पर फैसला मैदानी अंपायर ही लेगा। अभी इस नियम को आईसीसी ने ट्रायल पर डाला है।

डब्ल्यूटीटी प्रिस्टिना फीडर सीरीज

15 साल की दिव्यांशी ने रचा इतिहास, जीते दो स्वर्ण पदक



एजेंसी ▸▸ प्रिस्टीना

उभरती हुई खिलाड़ी 15 वर्षीय दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यूटीटी फीडर महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बन गई हैं। विश्व रैंकिंग में 211वें स्थान पर काबिज दिव्यांशी ने फाइनल में चीनी ताइपे की विश्व नंबर 38 येह यी-तियान को रोमांचक मुकाबले में 3-2 (8-11, 11-8, 11-5, 7-11, 11-7) से पराजित किया। भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अद्भुत संयम, जुझारुपन और आत्मविश्वास का परिचय दिया तथा यादगार जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने सीनियर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी दमदार मौजूदगी का अहसास कराया। दिव्यांशी की यह उपलब्धि केवल भारतीय टेबल टेनिस के लिए ही ऐतिहासिक नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उन्हें विशिष्ट स्थान दिलाती है।

महिला युगल में जीता गोल्ड

दिव्यांशी ने अपने शानदार अभियान में एक और स्वर्णिम उपलब्धि जोड़ते हुए महिला युगल वर्ग का स्वर्ण पदक भी जीता। उन्होंने साथी भारतीय किशोर खिलाड़ी सिंड्रेला दास के साथ मिलकर जापान की साची आओकी और कोकोना मुरामात्सु की जोड़ी को रोमांचक फाइनल में 3-2 (7-11, 14-12, 12-14, 11-8, 11-7) से हराया। करीब आधे घंटे तक चले इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बावजूद शानदार वापसी की। निर्णायक क्षणों में दबाव के बीच उनका धैर्य और दृढ़ता देखने लायक रही, जिसने भारत की इस उभरती हुई जोड़ी की बढ़ती परिपक्वता और उज्ज्वल भविष्य की झलक पेश की।

उम्र से कहीं अधिक दिखाई परिपक्वता

मात्र 15 वर्ष की आयु में वह जापान की स्टार खिलाड़ी मिवा हारिमोटो के बाद डब्ल्यूटीटी फीडर सर्किट में महिला एकल खिताब जीतने वाली दुनिया की दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी मानी जा रही हैं। प्रिस्टीना में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान दिव्यांशी ने पूरे सप्ताह अपने खेल से प्रभावित किया। उन्होंने अपने से अधिक अनुभवी और ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को बेखौफ आक्रामक खेल तथा अटूट आत्मविश्वास के दम पर मात दी।

नार्वे चेस : गुकेश और दिव्या हारे कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी ▸▸ ओस्लो

नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा को हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबा चला यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।



कीमर से हारे गुकेश

मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दमदार खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की।

'जी' ने हासिल किए भारत के लिए 'फीफा वर्ल्ड कप' राइट्स

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत में फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी राहत की बात है कि 'जी' पर 2026 फीफा विश्व कप का सीधा प्रसारण किया जाएगा क्योंकि 11 जून से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से 10 दिन पहले 'जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस लिमिटेड' ने फुटबॉल की विश्व संचालन संस्था फीफा के साथ 8 साल की भागीदारी की घोषणा की।

इस साझेदारी के तहत 'जी' भारत में विश्व कप 2026 समेत फीफा के सभी मुकाबलों का प्रसारण करेगा। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संस्था फीफा के साथ हुए इस करार के तहत 'जी' फीफा के 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा, जिनमें 11 जून 2026 से शुरू होने वाला फीफा विश्व कप भी शामिल है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको विश्व कप 2026 की संयुक्त मेजबानी करेंगे।

'यूनाईट8 स्पोर्ट्स नेटवर्क' में होगा विश्वकप का प्रसारण

विश्व कप का टीवी पर सीधा प्रसारण जी एंटरटेनमेंट अपने नए 'यूनाईट8 स्पोर्ट्स नेटवर्क' के जरिए करेगा जबकि इसकी लाइव स्ट्रीमिंग 'जीो' ऐप पर उपलब्ध होगी। जी एंटरटेनमेंट के पास भारतीय बाजार के लिए फीफा विश्व कप 2026, फीफा विश्व कप 2030, फीफा महिला विश्व कप 2027 के साथ 2034 तक के अन्य अहम फीफा टूर्नामेंट और डॉक्यू-सीरीज कंटेंट के मीडिया अधिकार होंगे। जी एंटरटेनमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत गोयंका ने कहा, 'हम दुनिया के सबसे बड़े खेल टूर्नामेंट में से एक को भारतीय दर्शकों तक पहुंचाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मीडिया अधिकार हासिल करने और विशेष खेल चैनल शुरू करने में किया गया हमारा निवेश, इस खेल की लंबी अवधि की संभावनाओं में हमारे पक्के विश्वास को दर्शाता है।'



आज से शुरू हो रहा थाईलैंड ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट

बुलंद हौसलों के साथ कोर्ट पर उतरेगी सात्विक-चिराग की जोड़ी

एजेंसी ▸▸ जकार्ता

सिंगापुर ओपन में लंबे समय से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करने के बाद आत्मविश्वास से भरपूर भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अब मंगलवार से शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 1000 में लगातार दूसरा खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगी।

पूर्व विश्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को प्रतियोगिता में चौथी वरीयता मिली है। अपने पहले मुकाबले में उनका सामना मलेशिया के कांग खाई शिंग और आरोन ताई की जोड़ी से होगा। पुरुष युगल में भारत की दूसरी जोड़ी एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणान का मुकाबला मलेशिया के नूर मोहद अजरीन आयुब अजरीन और तान वी कियोंग से होगा। यदि दोनों भारतीय जोड़ियां अपने-अपने शुरुआती मुकाबले जीतती हैं तो दूसरे दौर में आमने-सामने हो सकती हैं।

पहला मुकाबला मलेशिया के शिंग और आरोन की जोड़ी से



सिंधू की पहली भिड़ंत थाईलैंड की ओंगबामरुंगफान से

महिला एकल में भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी। सिंधू सिंगापुर ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में मालविका बंसोड़ का सामना थाईलैंड की सातवीं वरीय पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा, जबकि उन्नति हुड्डा को पहले ही दौर में जापान की विश्व नंबर 12 नोजोमि ओकुहारा जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी मिली हैं।

लक्ष्य भिड़ेंगे अल्वी फरहान से

लक्ष्य सेन पुरुष एकल में अपने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से भिड़ेंगे। वहीं किदांबी श्रीकांत का सामना जापान के युशी तनाका से होगा। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आयुष शेट्टी का मुकाबला चीन के वेंग होंग यांग से होगा, जबकि एचएस प्रणय आयरलैंड के एनट के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो के साथ रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गदे भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भारत की एकमात्र जोड़ी पहले दौर में इंडोनेशिया की फेबियाना द्विपुजी कुसुमा और मेलिसा ट्रियस पुरिपतासारी के खिलाफ अभियान शुरू करेगी।

पश्चिम बंगाल में कैबिनेट विस्तार

35 मंत्रियों ने ली शपथ, इनमें घरेलू सहायिका से लेकर पत्रकार भी शामिल

लोकभवन में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल आरएन रवि ने 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ बंगाल में मंत्रिपरिषद की मंत्रियों की संख्या 41 हो गई है

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में सोमवार को सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। लोकभवन में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल आरएन रवि ने 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। सीएम सुवेंदु अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री, 3 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 को राज्य मंत्री बनाया गया। इस विस्तार के साथ बंगाल में मंत्रिपरिषद की मंत्रियों की संख्या 41 हो गई है। इससे पहले 9 मई को सुवेंदु अधिकारी ने सीएम पद की शपथ ली थी। उनके साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निशीथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और क्षुदीराम टुडू ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी।

13 कैबिनेट मंत्री

3 राज्य मंत्री (स्वंतत्र प्रभार)

19 राज्य मंत्री



मंत्री पद की शपथ लेते विधायक

अभी भी 3 पद खाली

संविधान के 91वें संशोधन के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल में विधायकों की संख्या कुल संख्या के 15% तक सीमित है। पश्चिम बंगाल में 294 विधायक हैं, इसलिए मंत्रिमंडल में अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं। सोमवार के शपथ ग्रहण के बाद कैबिनेट में 41 मंत्री हो गए हैं। तय सीमा के आधार पर 3 मंत्री और बनाए जा सकते हैं।

नए मंत्रियों की सूची

कैबिनेट मंत्रियों में दीपक बर्मन, तपस रॉय, शंकर घोष, मनोज कुमार उरांव, अर्जुन सिंह, गौरी शंकर घोष, स्वपन दासगुप्ता, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, कल्याण चक्रवर्ती, अजय पोद्दार, शरद्वत मुखर्जी, दूध कुमार मंडल और अनुप कुमार दास शामिल हैं। राज्य मंत्रियों में जोएल मुर्मू, हरेकृष्ण बेरा, आनंदमय बर्मन, अशोक डिंडा, नदियार चंद बाउरी, विशाल लामा, शांतनु प्रमाणिक, मौमिता बिस्वास मिश्रा, उमेश रे, पूर्णिमा चक्रवर्ती, कौशिक चौधरी, भास्कर भट्टाचार्य, दिबाकर घरामी, अमिया किस्कू, कलिता माझी, गार्गी दास घोष, बिराज विश्वास, दीपंकर जना और सुमना सरकार को जगह मिली है। इसके अलावा, इंद्रनील खान, मालती राभा रॉय और राजेश महतो ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली।

घरेलू सहायिका कलिता माझी बनी मंत्री



पूर्व बर्धमान जिले की आउसग्राम विधानसभा सीट से जीती 37 वर्षीय कलिता माझी कभी घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थीं। अब मंत्री बन गई हैं। उनके पति प्लंबर का काम करते हैं।

पत्रकारिता से जुड़े स्वप्नदास बने मंत्री

नए मंत्रियों में शामिल स्वपन दासगुप्ता को भाजपा के प्रमुख बौद्धिक चेहरों में गिना जाता है। पत्रकारिता और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए 2015 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया था।



पूर्व तेज गेंदबाज डिंडा भी अब सरकार में मंत्री

पूर्व तेज गेंदबाज अशोक डिंडा बंगाल सरकार में मंत्री बन गए हैं।। उन्होंने दिसंबर 2009 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया था। वे भारत की ओर से 13 वनडे और 9 टी-20 मैच खेल चुके हैं।



खबर संक्षेप

राज्यसभा की 27 सीटों की अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 27 राज्यसभा सीटों और 3 राज्यों में विधान परिषदों के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। सभी के लिए वोटिंग 18 जून को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। गिनती उसी दिन शाम 5 बजे से शुरू होगी। राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून है।



अकाली नेता मजीठिया के ठिकानों पर रेड

अमृतसर। मजीठा थाने पर हुए कथित हमले के मामले में शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। अमृतसर के एसपी देहात आदित्य वारियर ने बताया कि उनकी तलाश में सोमवार सुबह पंजाब पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापे मारे, लेकिन वे वहां नहीं मिले।



6 जून को भारत आ रहे सीजेपी के अभिजीत दिपके

नई दिल्ली। 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने को कहा कि वह परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू करने जा रहे हैं। उन्होंने साफ किया कि 6 जून को वो भारत लौटेंगे। उन्होंने समर्थकों से दिल्ली पहुंचने की अपील की।



आईपीएल चैंपियन आरसीबी नहीं निकालेगी विजय परेड

बेंगलुरु। दो बार की आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पिछली बार से सबक लिया है और इस बार विजय परेड नहीं निकालने का फैसला किया है। फ्रेंचाइजी ने यह फैसला पिछले साल हुई भगदड़ के बाद लिया है जिससे फैंस की भारी भीड़ इकट्ठा होने से बचा जा सके।



नीट पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट को बड़ा फैसला

सीबीटी नहीं, पेन-पेपर मोड में ही होगी दोबारा परीक्षा, 21 जून की तारीख तय

एनटीएक की जगह नई राष्ट्रीय परीक्षा संस्था बनाने की मांग

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने मामले को जुलाई तक के लिए टाल दिया, जिससे नीट की दोबारा परीक्षा के लिए मांगी गई राहत प्रभावी रूप से खारिज हो गई। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि वह केवल उस मांग पर जोर दे रहे हैं

सीबीआई का दावा: पुणे के टीचर ने नीट पेपर अरेंज कराया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट-यूजी की 21 जून की होने वाली परीक्षा को कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के रूप में कराई जाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने अभी कोई आदेश देने से साफ इनकार किया है। कोर्ट ने कहा कि पेपर लीक से जुड़ी पहले से लंबित याचिकाओं के साथ ही हम जुलाई में इसकी सुनवाई करेंगे। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसद सुधाकर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिका दाखिल की थी। सोमवार को जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने मामले को जुलाई तक के लिए टाल दिया, जिससे नीट की दोबारा परीक्षा के लिए मांगी गई राहत प्रभावी रूप से खारिज हो गई। बेंच ने संकेत दिया कि वह इस मामले पर तुरंत सुनवाई नहीं करेगी। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि हम इसे छुट्टियों के बाद देखेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने मामले की सुनवाई टाल दी।



सीबीटी पर सुनवाई जुलाई में

मुख्य आरोपी से लिए थे 5 लाख रुपए

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने कहा कि पुणे की एक मेडिकल एकेडमी में फिजिक्स फैकल्टी रहे हर्षदकुमार शाह ने क्वेश्चन पेपर अरेंज कराने में भूमिका निभाई थी। शाह ने फिजिक्स का प्रश्नपत्र मनीषा हवालदार तक पहुंचाया था। जांच में यही पेपर मनीषा के मोबाइल से बरामद हुआ। सीबीआई ने अदालत को बताया कि डॉ. मनोज शिरुरे पेपर लीक से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा थे। मुख्य आरोपी शिवराज मोटेगांवकर से 5 लाख रुपए लिए थे।

3 आरोपी 15 जून तक न्यायिक हिरासत में

मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आरोपी डॉक्टर मनोज शिरूरे, आरोपी तेजस हर्षद कुमार शाह और मनीषा संजय हवलदार को 15 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सोमवार को तीनों आरोपियों की कस्टडी समाप्त होने पर सीबीआई ने उन्हें अदालत में पेश किया। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की मांग की। इसके बाद कोर्ट ने अपना फैसला देते हुए तीनों आरोपियों को 15 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

केंद्रीय मंत्रालय की मांग: एनटीए को भंग करें

संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल मामलों की स्थायी समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने की। यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) ने समिति ने कहा कि नीट से जुड़े सवाल केवल परीक्षा के तरीके तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और परीक्षा कराने वाली एजेंसी की विश्वसनीयता से भी जुड़े हैं। संगठन ने एनटीए को भंग कर संसद के कानून के तहत नई राष्ट्रीय परीक्षा संस्था बनाने की मांग की।

राहुल गांधी का सरकार पर तीखा हमला

पीएम आम की बात कर सकते हैं पर सीबीएसई की नहीं

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार तथा शिक्षा मंत्रालय पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सीबीएसई की गलतियों का खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है और अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच कराने के लिए विद्यार्थियों से भारी शुल्क वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक छात्र को करीब 2000 रुपए तक खर्च करने पड़ सकते हैं। 4 लाख लोगों ने आवेदन दिए हैं। वहीं, राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में आम पर बात कर सकते हैं, लेकिन सीबीएसई पर नहीं।



शिक्षा मंत्रालय ने शुरू की आंतरिक जांच

सीबीएसई के अधिकारियों के खिलाफ जल्द ही एक्शन होने वाला है, क्योंकि शिक्षा मंत्रालय ने एक विवादित टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और बोर्ड के डिजिटल मूल्यांकन सिस्टम में गंभीर कमियों को लेकर आंतरिक जांच शुरू कर दी है। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, बोर्ड के 'ऑन स्क्रीन मार्किंग'(ओएसएम) सिस्टम से जुड़ी टेंडर प्रक्रिया पर सीबीएसई से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। अब तक दी गई सफाई से मंत्रालय पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुआ है और अब बोर्ड के भीतर कई स्तरों पर जवाबदेही तय किए जाने की संभावना है।

फर्जी खातों की जांच कराएगी सरकार

सीएम सुवेंदु ने दिए सख्त निर्देश 'एसआईटी' गठित करें डीजीपी



सुवेंदु अधिकारी ममता बेनर्जी

'लक्ष्मीर भंडार' योजना में 30 लाख फर्जी खाते मिले

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में महिलाओं को आर्थिक मदद देने वाली 'लक्ष्मीर भंडार' योजना में राज्य सरकार ने दावा किया है कि इस योजना में लाखों फर्जी खाते बनाए गए और सरकारी पैसे का गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ। इसी मामले को लेकर सीएम सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को विशेष जांच दल यानी एसआईटी बनाने का निर्देश दिया है। सरकार का कहना है कि योजना के नाम पर बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई और अब इसकी पूरी जांच कराई जाएगी। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि लक्ष्मीर भंडार योजना में करीब 30 लाख खाते फर्जी पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ फर्जीवाड़ा नहीं बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला भी हो सकता है।

दो टीएमसी विधायक निष्कासित

बंगाल की विधानसभा के भीतर 'फर्जी हस्ताक्षर कांड' को लेकर सीएम अधिकारी ने इस मामले में सीआईडी जांच के आदेश देने के महज 15 मिनट के भीतर, तृणमूल कांग्रेस ने अपने दो विधायकों, ऋतब्रत बनर्जी (उलुबेरिया पूर्व) और संदीपन साहा (एंटाली) को पार्टी से निष्कासित कर दिया। 4 मई को चुनावी नतीजों के बाद टीएमसी को सदन में विपक्ष की भूमिका तय करनी थी। 6 मई की बैठक में ममता बनर्जी को नेता चुनने का अधिकार दिया गया, लेकिन तकनीकी तौर पर विधानसभा ने इस फैसले को खारिज कर दिया। इसके बाद 19 मई को बैकडेट (6 मई) में विधायकों के हस्ताक्षर लेने का खेल शुरू हुआ। निष्कासित विधायक ऋतब्रत और संदीपन ने ही स्पीकर रवींद्रनाथ बोस से लिखित शिकायत की थी कि हाजिरी बही के हस्ताक्षरों को प्रस्ताव का समर्थन मान लिया गया। इसी शिकायत के आधार पर हेयर स्ट्रीट थाने में मामला दर्ज हुआ। मामले में सीआईडी नयना बनर्जी, कुणाल घोष, तापस मैती के घर भी पहुंची।

पुलिस ने नहीं दी ममता को धरने की इजाजत

कोलकाता में पूर्व सीएम ममता बेनर्जी के प्रस्तावित धरने से पहले सियासत गरमा गई है। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि पुलिस ने 2 जून को होने वाले धरने की अनुमति नहीं दी। इतना ही नहीं, रानी रासमणि एवेन्यू पर मंच बनाने के लिए लाया गया सामान भी वहां से हटवा दिया गया। यह धरना टीएमसी नेताओं पर हुए हमलों के विरोध में किया जाना था। पार्टी का आरोप है कि धरने की अनुमति भी नहीं दी गई। इस पूरे घटनाक्रम के बीच ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि वह अपना कार्यक्रम रद्द नहीं करेंगी।

आवास और शहरी विकास पर होगा ध्यान

11-12 जून को ब्रिक्स सम्मेलन 2026 की मेजबानी करेगा भारत

▶▶ नई दिल्ली

भारत आगामी 11-12 जून को नई दिल्ली में सुषमा स्वराज भवन में ब्रिक्स शहरीकरण मंच (ब्रिक्स सम्मेलन 2026) की मेजबानी करेगा। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि 13वें ब्रिक्स सम्मेलन में समावेशी शहरी विकास, किफायती आवास, स्वच्छता, डिजिटल गवर्नेंस, शहरी गतिशीलता और जलवायु अनुकूल अवसंरचना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी। सम्मेलन में 11 सदस्य देश भाग लेंगे।



मंत्री मनोहर तैयारियों की बैठक करते हुए

अनुभव साझा करेंगे

उन्होंने बताया कि सतत शहरी विकास आज सभी देशों के सामने प्रमुख चुनौतियां हैं। ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि इन विषयों पर अपने अनुभव साझा करेंगे और बेहतर मॉडलों का अध्ययन करेंगे।

अन्नामलाई का भाजपा से मोहभंग!

नई पार्टी का कर सकते हैं ऐलान अध्यक्ष नबीन से मिलने मांगा समय

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

पूर्व आईपीएस अधिकारी और तमिलनाडु में भाजपा के अहम चेहरों में शुमार के अन्नामलाई के तमिलनाडु भाजपा से अलग होने की अटकलें सामने आ रही हैं। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात के लिए वक्त मांगा है। अन्नामलाई के करीबी लोगों के मुताबिक वे 3 जून को कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। वे अन्नामलाई मक्कल शक्ति इय्यक्कम नाम से अपनी ही पार्टी जल्द शुरू कर सकते हैं।



नितिन नबीन अन्नामलाई

गठबंधन से थे नाराज

साल 2021 से 2025 तक तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने अहम भूमिका निभाई। वे तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में भाजपा के अन्नाद्रमुक के साथ चुनावी गठबंधन से नाराज थे।

राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हुई सुमन कल्याणपुर

मुंबई पुलिस के जवानों ने सलामी दी | मित्रों ने यादगार गीत 'रहें न रहें हम, महका करेंगे' गाकर दी अंतिम विदाई

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'रहें न रहें हम' गीत की मार्मिक धुनों के बीच प्रख्यात पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर का सोमवार का यहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। लता मंगेशकर और आशा भोसले की समकालीन रहीं सुमन कल्याणपुर को वह पहचान और सम्मान शायद कभी पूरी तरह नहीं मिल पाया, जिसकी वह हकदार थीं। सुमन कल्याणपुर का रविवार देर रात उनके घर पर उम्र संबंधी समस्याओं के चलते निधन हो गया। वह 89 वर्ष की थीं।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने निधन पर शोक व्यक्त किया



बेटी चारू ने निभाईं रस्में

सांताक्रूज श्मशान घाट में उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटा गया और मुंबई पुलिस के जवानों ने उन्हें सलामी दी। उनकी बेटी चारू ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी कीं। मित्रों और शुभचिंतकों ने यादगार गीत 'रहें न रहें हम, महका करेंगे' गाया।

कला जगत के लिए अपूरणीय क्षतिः मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सुमन कल्याणपुर का निधन भारतीय कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सुमन कल्याणपुर के निधन से दुखी हूं। उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन ने हमारे सांस्कृतिक जगत को समृद्ध किया।

सावधान! फिर आ रहा 'तूफान' 90 किमी की गति से चलेंगे झोंके

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने पूर्वानुमानों से जुड़े ताजा बुलेटिन में कहा है कि इस सप्ताह फिर तूफान आने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि उत्तर-पूर्वी भारत और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में छिटपुट से लेकर भारी वर्षा और गरज के साथ तूफान आने की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी, मध्य और उससे सटे पूर्वी भारत में इस दौरान 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और इस दौरान तूफानी हवाओं के साथ मध्यम से गंभीर गरज के साथ छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है।

आईएमडी की चेतावनी



आईएमडी ने अपने बुलेटिन में कहा है कि पूर्वी भारत में दक्षिण गंगा बेसिन, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के ऊपर भी एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। इसकी वजह से झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में तेज आंधी-पानी के आसार हैं। इस दौरान 40 से 70 किलोमीटर की स्पीड से और कहीं-कहीं 90 किमी की स्पीड से हवाएं चल सकती हैं।

नायब सैनी की उपस्थिति में एक दिन में ही 1 लाख 10 हजार करोड़ के हुए एमओयू

5 लाख करोड़ के निवेश लक्ष्य के साथ किया 'मेक इन हरियाणा पॉलिसी' को लॉन्च

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में 'मेक इन हरियाणा' इंडस्ट्रियल पॉलिसी को लॉन्च किया। प्रदेश में 5 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य लेकर लॉन्च की गई इस पॉलिसी के पहले ही दिन 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों के एमओयू हुए। इसके साथ-साथ उन्होंने 9 नई सेक्टोरल पॉलिसी, एक स्मार्ट निवेश सुविधा पोर्टल को भी लॉन्च किया। सीएम सैनी ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के लोगो का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि इस नई पॉलिसी से उद्योग और सशक्त होंगे। निवेश प्रक्रिया सरल होगी और विकास के अवसर और अधिक व्यापक होंगे। इससे प्रदेश को एक नई दशा और दिशा मिलेगी।



'मेक इन हरियाणा पॉलिसी' को लॉन्च करते सीएम सैनी

इन्वेस्टिंग इन हरियाणा का मतलब है इन्वेस्टिंग इन फ्यूचर

हरियाणा के साथ बढ़िए भविष्य का निर्माण कीजिए

सीएम सैनी ने कहा कि 'मेक इन हरियाणा' हरियाणा के आर्थिक विकास के अगले चरण का रोडमैप है। यह कॉम्पिटिटिवनेस, इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी, एक्सपोर्टस, रोजगार और फ्यूचर–रेडी मैन्युफैक्चरिंग पर आधारित है। उन्होंने निवेशकों से आह्वान किया कि हरियाणा में निवेश कीजिए। हरियाणा के साथ बढ़िए और अपने भविष्य का निर्माण कीजिए। ग्लोबल कंपनियां हरियाणा को मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के साथ ग्रोथ डेस्टिनेशन के रूप में भी देख रही हैं।

इंटेलिजेंट इन्वेस्टमेंट फेसिलिटेशन पोर्टल लॉन्च

सीएम सैनी ने कहा कि अगला दौर इंटेलिजेंट गवर्नेंस का है। और इसलिए आज हरियाणा इंटेलिजेंट इन्वेस्टमेंट फेसिलिटेशन पोर्टल लॉन्च किया है। यह पोर्टल सरकार और उद्योगों के बीच काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल देगा। हमारा ध्येय स्पीड और ट्रस्ट है।

इंडस्ट्री को हरियाणा पर भरोसा, युवाओं को रोजगार

सीएम सैनी ने कहा कि आज जो इन्वेस्टमेंट प्रपोजल्स साइन हुए हैं, वे एक बहुत मजबूत संदेश देते हैं। इंडस्ट्री को हरियाणा पर भरोसा है। ये इन्वेस्टमेंट केवल एक आंकड़ा नहीं हैं। ये नए उद्योग हैं। नई सप्लाई चेन हैं। एमएसएमई के लिए नए अवसर हैं। युवाओं के लिए नए रोजगार हैं।

जल्द ग्लोबल इन्वेस्टर समिट होगी

उन्होंने कहा कि इन्वेस्टिंग इन हरियाणा का मतलब इन्वेस्टिंग इन फ्यूचर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल्द ही हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा भारत की जीडीपी में लगभग 3.6 प्रतिशत योगदान देता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com